RNI. MPHIN/2016/68439

दैनिक
# भेल पॉवर

भोपाल, सोमवार 1 सितम्बर 2025

वर्ष -10 | अंक 94 | पेज-8 | राजधानी भोपाल से प्रसारित | मूल्य 1 रुपए

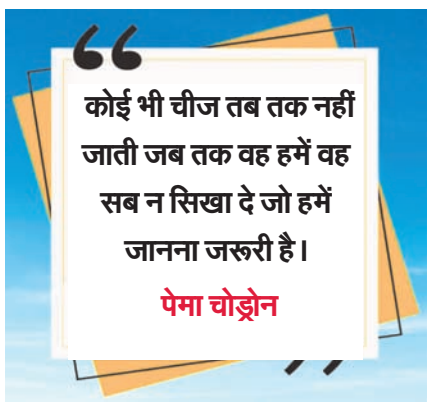

# प्रदेश के 20 लाख किसानों को देंगे सोलर पावर पंप-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री ने ग्राम राजौधा में किया सांदीपनि विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अन्नदाताओं (किसानों) को सम्मान और सुविधा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द 20 लाख से अधिक किसानों को सोलर पावर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें बिजली बिल की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुरैना जिले के ग्राम राजौधा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि प्रदेश के किसानों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से 6-6 हजार रुपए, इस प्रकार कुल 12 हजार रुपए सम्मान निधि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को दीपावली के बाद भाईदूज से हर माह 1500 की राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश के बेटे-बेटियां खूब

पढ़ें-लिखें, इसके लिए सरकार सभी इंतजाम कर रही है। बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, होनहार विद्यार्थियों को स्कूटी, साथ ही साइकिल और गणवेश भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास ही हमारा लक्ष्य है। प्रदेश का कोई भी अंचल विकास से वंचित नहीं रहने दिया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 52 करोड़ 59 लाख रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों को लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 37.67 करोड़ की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण और 14.92 करोड़ की लागत के नये शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि यह नया महाविद्यालय भवन महाराजा मानसिंह तोमर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस महाविद्यालय में सभी जरूरी पाठ्यक्रम एवं संकाय प्रारंभ किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज राधाष्टमी है। इस शुभ प्रसंग के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि के नाम से विद्यालय भवन का लोकार्पण सरकार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि हाल ही में समीपवर्ती श्योपुर जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात दी गई है और मुरैना भी विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। मुरैना की धरती से श्री नरेंद्र सिंह तोमर जैसे बड़े राजनेता निकले हैं। प्रदेश के कई जिले आगे बढ़ गए, लेकिन चंबल के जिले पिछड़ गए। कांग्रेस की सरकारों ने डाकुओं को बढ़ावा दिया और युवाओं का भविष्य खराब कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जा रहा है। शहर-शहर में सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं। ऐसे ही सांदीपनि आश्रम में श्रीकृष्ण ने वेद, शास्त्रों और विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारकर संदेश दिया कि सत्ता अत्याचार के लिए नहीं, बल्कि जनकल्याण का माध्यम होती है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की विकास के प्रति ललक, समाज के हर वर्ग के लिए संवेदनशीलता और संकल्प से विकास की गंगा गांव-गांव तक पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ही इस गांव में महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी।

# तियानजिन में डिप्लोमेसी का नया चैप्टर एक मंच पर मोदी, पुतिन और जिनपिंग

**नई दिल्ली।** चीन के तियानजिन में ग्लोबल डिप्लोमेसी का एक नया चैप्टर देखने को मिला. स्ट्रह समिट के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और मेजबान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक साथ दिखे. ग्रुप फोटो सेशन के दौरान एससीओ के सभी सदस्य एक मंच पर एक साथ मौजूद थे. स्ट्रह समिट के मंच पर जब पीएम मोदी पहुंचे तो चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उनका स्वागत किया. इस दौरान उनकी पत्नी Peng Liyuan भी साथ थीं. फोटो सेशन के बाद पीएम मोदी ने जिनपिंग और उनकी पत्नी से हाथ मिलाया. इस दौरान दोनों नेताओं के चेहरे पर खुशी थी. पीएम मोदी और पुतीन के बीच ताजिकिस्तान और किर्गिजस्तान के राष्ट्रपति हैं. एससीओ ग्रुप फोटो सेशन पर पूरी दुनिया की नजर थी. जिनपिंग से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कई मालदीव, नेपाल सहित कई देशों के नेताओं से मुलाकात की.पीएम मोदी का यह चीन दौरा सात साल बाद हो रहा है. दस महीनों में शी जिनपिंग से उनकी यह दूसरी मुलाकात है. पिछली मुलाकात ब्रिक्स 2024 सम्मेलन (कजान, रूस) में हुई थी.

जानकारों का कहना है कि ग्लोबल ऑर्डर में ये मुलाकात माइलस्टोन बन सकता है. मगर विरोधाभास है जो तीन देशों (भारत-रूस और चीन) के बीच में हमेशा रहा है. इस मुलाकात के बाद ट्रंप की टैरिफ आंधी उड़ पाती है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी. अगर ये होता है तो भारत की जय जय होगी. मगर दूसरी तरह जानकारों का ये भी कहना है कि इस मुलाकात के बाद अगर भारत-चीन के बीच कोर मुद्दा जैसे चीन को पाकिस्तान को सहयोग करना बंद दे, भारत को उसकी जमीन लौटा देज्वगैरह-वगैरह, सुलझ जाए तो अच्छी बात होगी.

ट्रंप के द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के बाद इस समिट को बड़ा माना जा रहा है क्योंकि इस समिट में ट्रंप को छोड़ बाकी सभी महाशक्तियां एक ही मंच पर मौजूद थीं. हाल के समय में भारत और चीन के बीच बढ़ती नजदीकियां को लेकर अमेरिका काफी परेशान है. इसके पीछे की वजह रूसी तेल. अमेरिका नहीं चाहता है कि भारत रूस से तेल खरीदे. उसने हाल ही में इसको लेकर आपत्ति जताई थी.

# मोदी बोले- प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रहीं

## UPSC में सिलेक्ट न होने वाले उम्मीदवारों को प्रतिभा सेतु के जरिए नौकरी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो मन की बात के 125वें एपिसोड में प्राकृतिक आपदा, खेल-खिलाड़ी, इनोवेशन, शिक्षा, वोकल फॉर लोकल पर बात की। उन्होंने कहा- इस मानसून के मौसम में प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों हमने भीषण बाढ़-भूस्खलन देखे। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुख पहुंचाया है। हम उन परिवारों के दुख में शामिल हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जहां भी आपदाएं आईं, हमारे NDRF-SDRF के जवानों ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर, दिन-रात अथक परिश्रम किया है।

पीएम ने कहा कि कई उम्मीदवार यूपीएससी की फाइनल लिस्ट में जगह नहीं बना सके।

उनकी जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रतिभा सेतु एप पर उपलब्ध कराई जा रही है। जो देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के साथ शेयर की जाएगी, ताकि उन्हें इन कंपनियों में अच्छी जॉब मिल सके।

**पीएम ने कहा- सितंबर में हम हैदराबाद लिबरेशन डे मनाएंगे** सितंबर में हम हैदराबाद लिबरेशन डे मनाएंगे। ये वही महीना है जब हम उन सभी वीरों के साहस को याद करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन पोलो में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा- जब अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिली, तो हैदराबाद अलग ही स्थिति में था। निजाम-रजाकारों के अत्याचार दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे थे। तिरंगा फहराने या %वंदे मातरम्% कहने पर भी मौत के घाट उतार दिया जाता था। महिलाओं और गरीबों पर अत्याचार किए जाते थे। उस समय बाबा साहेब अंबेडकर ने भी चेतावनी दी थी कि ये समस्या बहुत बड़ी बनती जा रही है। सरदार पटेल ने मामले को अपने हाथ में लिया। उन्होंने सरकार को ऑपरेशन पोलो शुरू करने के लिए तैयार किया। रिकॉर्ड समय में हमारी सेनाओं ने हैदराबाद को निजाम की तानाशाही से आजाद कराया और उसे भारत का हिस्सा बनाया। पूरे देश ने इस सफलता का उत्सव मनाया।

**पीएम ने गिनाईं जम्मू-कश्मीर की उपलब्धियां** पीएम मोदी ने कहा- बाढ़ और बारिश से हुई तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच यहीं खेला गया। पहले यह नामुमकिन था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है।

# रतलाम में जीतू पटवारी की कार पर हमला

## बाल-बाल बचे, टूटा गाड़ी का शीशा

**रतलाम (मप्र)।** मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के वाहन पर रविवार (31 अगस्त) को रतलाम के मांगरोल में हमला हुआ. इस दौरान धाकड़ समाज के लोगों ने उन्हें काले झंडे दिखाए साथ ही पथराव भी किया, हालांकि जीतू पटवारी बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं लगी, लेकिन उनकी गाड़ी का पिछला शीशा टूट गया. इस घटना से राजनीतिक तनाव बढ़ गया है.

मध्य कांग्रेस ने इस हमले की निंदा करते हुए बीजेपी पर हमला करवाने का आरोप लगाया है. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पार्टी ने कहा 'आखिरकार, लोकतंत्र विरोधी भाजपा ने फिर से अपना असली रंग दिखा ही दिया. लगातार सच बोलने और सरकार को आईना

दिखाने से बौखलाई भाजपा ने आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी पर जानलेवा हमला करवाया'.

इसके आगे कांग्रेस ने कहा 'भाजपा के मंडल अध्यक्ष स्वयं घटनास्थल पर मौजूद थे. सच तो यह है कि कांग्रेस को मिल रहे

अपार जनसमर्थन से मोहन सरकार घबरा गई है! इसलिए वह ऐसे हथकंडे अपना रही है. भाजपा और मोहन सरकार लगातार जीतू पटवारी की सुरक्षा से समझौता कर रही है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जान जानबूझकर खतरे में डाली जा रही है. प्रदेश कांग्रेस इस हमले की कड़ी निंदा करती है.

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर ये हमला उस समय हुआ जब वो 'वोट चोर गद्दी छोड़' आंदोलन में शामिल होने रतलाम आ रहे थे. इसी दौरान जिले के मांगरोल में धाकड़ समाज जीतू पटवारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था. बताया जा रहा है कि, धाकड़ समाज द्वारा किए गए प्रदर्शन का कारण पिछले दिनों पटवारी के एक बयान के चलते किया गया है. धाकड़ समाज के लोग टिप्पणी को लेकर नाराज हैं.

# जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वो ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है, बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

**नागपुर** अक्सर अपने भाषण को लेकर चर्चा में रहने वाले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर नेताओं को लेकर जो बयान दिया है, उसकी काफी चर्चा हो रही है। नितिन गडकरी ने कहा, जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वो ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है।

**कहां कही ये बात?** नितिन गडकरी ने नागपुर में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद में बोलते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा, बोलना आसान है, करना कठिन है, मैं अधिकारी नहीं हूं लेकिन मैं इसकी अनुभूति करता हूं, क्योंकि मैं जिस क्षेत्र में काम करता हूं, वहां मन से सच बोलने पर मनाही है। नितिन गडकरी ने कहा, वहा हौसे, नवसे, गवसे (ये मराठी की कहावत है) सब लोग है, और जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख

बना सकता है, वो ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। उन्होंने कहा, एक बात सच है। भगवान श्रीकृष्ण ने लिख कर रखा है, श्रीमद्भगवद्गीता में लिखा है कि अंतिम विजय यहां सत्य की होती है। नितिन गडकरी ने कहा, कोई चीज प्राप्त करने के लिए शॉर्टकट है, शॉर्टकट से आदमी जल्दी पहुंचता है..नियम तोड़कर रास्ता क्रॉस करना है तो लाल सिग्नल हो, या फिर छलांग लगाकर जा सकते हैं लेकिन एक फिलॉसफर ने कहा है कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट। इसीलिए हमने होनेस्टी, क्रेडिबिलिटी, समर्पित भाव, सत्य यह जो वैल्यूज हैं, इन सब का समाज में महत्व है। बता दें कि नितिन गडकरी बीजेपी में एक ऐसे नेता हैं, जो अपने खुले अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें जो बात कहनी होती है, वह साफ और सीधे तरीके से जनता के सामने कह देते हैं। उनका कहना है कि मैं काम करता हूं, अगर आप लोगों को अच्छा लगे तो मुझे वोट करना, नहीं तो मत करना। उनके स्वभाव की वजह से ही उनके खिलाफ विपक्षी नेता भी कम ही बयान देते हैं।

# ट्रंप हमारे फूफा, उनके टैरिफ से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता, आगर मालवा में बोले कैलाश विजयवर्गीय

**आगर मालवा (मप्र)।** नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कवि कुमार विश्वास की बात का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति हमारे फूफा हैं, क्योंकि बारात में फूफा लोग जल्दी नाराज हो जाते हैं तो उनको पटाना पड़ता है. ये फूफा हमारा क्या बिगाड़ लेंगे ? और ये बिल्कुल सही है. हम पर पहली बार टैरिफ नहीं लगा है. पुराने लोग जानते हैं भारत अपने अंदाज से जीता है. ये टैरिफ उसका कुछ नुकसान नहीं पहुंचा सकते. उन्होंने कहा, हमारे देश के प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ लोगों से मन की बात कार्यक्रम में कहा है कि डरने की जरूरत नहीं है. बस हम सिर्फ एक ही संकल्प लें कि हम स्वदेशी अपनाएंगे. हम भारत की बनी हुई ही चीजें खरीदें. स्वदेशी एक बहुत बड़ा हथियार है दुनिया से लड़ने के लिए. मैं 40 साल से राजनीति कर रहा हूं. मैंने बहुत सारे प्रधानमंत्री देखे पर देश के लिए जीना और देश के लिए मरने वाले 2 ही प्रधानमंत्री देखे. एक अटल बिहारी वाजपेयी थे और एक नरेंद्र मोदी. मुझे एक ही दुख होता है कि अंग्रेजो के गुलाम इतिहासकारों ने जिस प्रकार इतिहास में लिखा है कि अकबर महान है. अरे आप ही बताओ कि अकबर महान है या महाराणा प्रताप महान हैं? इतिहास के पन्नो में महाराणा प्रताप महान होने चाहिएं कि नहीं होने चाहिएं ? इसलिए आप सब प्रधानमंत्री जी को एक चिट्ठी लिखें कि इतिहास के पन्नो में महाराणा प्रताप को महान क्रांतिकारी और देश के लिए समर्पित राजा का खिताब मिलना चाहिए.

# पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड से बंद हुई सुरंग

## अंदर फंस गए 19 मजदूर, अब तक 8 को बचाया

**उत्तराखंड** के पिथौरागढ़ में भूस्खलन होने से बड़ा हादसा हो गया. धारचूला के ऐलागाड़ स्थित एनएचपीसी पावर हाउस की टनल का मुहाना बंद हो गया. टनल के मुहाने पर भूस्खलन के बाद भारी मलबा और पत्थर जमा हो गया. टलन का मुहाना बंद होने से उसके अंदर काम कर रहे 19 मजदूर फंस गए. भूस्खलन के बाद मलबा हटाने और टनल के अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकालने का काम जारी है. अब तक आठ मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जबकि 11 मजदूर अभी भी फंसे हुए हैं. टनल के अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है. टनल के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित बताए जा रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को ऐलागाड़ में पहाड़ी का एक हिस्सा दरक गया. इससे भारी मात्रा में मलबा और पत्थर एनएचपीसी की टनल के मुहाने पर जमा हो गया. टनल के मुहाने पर मलबा जमा होने से उसके अंदर काम कर रहे 19 मजदूर फंस गए. हादसे की सूचना मिलते ही मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने जाने के लिए युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया. डीएम विनोद गोस्वामी ने जानकारी देते हुए कहा कि भूस्खलन होने से टनल का मुहाना बंद हो गया था, जिससे 19 मजदूर उसके अंदर फंस गए थे. उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है. सुरंग के मुहाने से मलबा हटाने का काम पूरा हो गया है. इमरजेंसी शाफ्ट एरिया से भी मलबा हटाया जा रहा है. अब तक आठ मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. बाकी बचे 11 मजदूर भी सुरक्षित हैं और उनसे लगातार संपर्क बना हुआ है. जिला प्रशासन, बीआरओ, एनएचपीसी, एनडीआरएफ, सीआईएसएफ सहित अन्य बचाव दल स्थिति से निपटने और टनल के अंदर फंसे 11 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास जारी है. धारचूला के एडीएम जितेंद्र वर्मा ने कहा कि धौलीगंगा पावर हाउस को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है. हादसे में टलन के अंदर मजदूर फंस गए हैं जिन्हें बार निकलाने का प्रयास किया जा रहा है. टनल के मुहाने पर बार- बार मलबा आ जाने से परेशानी हो रही है.

# भाजपा ने निकाली राहुल के पुतले की अर्थी

## सीएम बोले- परेशानी है तो नाना-नानी के पास जाएं; बिहार में पीएम को कहे गए थे अपशब्द

**भोपाल।** बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की सभा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के विरोध में रविवार को भोपाल में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले की अर्थी निकाली। प्रदर्शन के लिए भाजपा महिला मोर्चा की बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भोपाल के रेड क्रॉस चौराहे पर इकट्ठी हुईं और नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ने लगीं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें सिद्धांता हॉस्पिटल के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया।

उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए गलत बयान दे रहे हैं। इतनी ही परेशानी है तो उन्हें अपने

नाना-नानी के पास चले जाना चाहिए। इस जगत में रहने का उन्हें कोई हक नहीं है।

**बारिश हुई तो रोड पर रखकर अर्थी तोड़ी** प्रदर्शन के दौरान बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने अर्थी को वहीं तोड़ दिया और प्रदर्शन खत्म किया। विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, नेहा बग्गा भी शामिल रहीं। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया ने कहा कि महिलाओं का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्या महिलाएं राजनीति और अन्य क्षेत्रों में अपमान सहने के लिए काम करती है? हम राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं, क्या आपके घर में बहन-बेटियां नहीं हैं? क्या आप इसी तरह माताओं और बहनों का अपमान करते रहेंगे?

# बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा

## आकाश को मिली बड़ी जिम्मेदारी

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है. बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और दो दिनों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकों के बाद अपने संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली है. सोशल साइस एक्स पर एक पोस्ट में, मायावती ने कहा, वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उम्मीदवारों के चयन और अगले कुछ महीनों में होने वाले चुनावों की समग्र तैयारियों पर चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि अगले महीने की शुरुआत में शुरू होने वाली पार्टी यात्राओं और जनसभाओं जैसे कार्यक्रम उनकी प्रत्यक्ष देखरेख में आयोजित किए जाएंगे. इन पहलों की विशेष

जम्मिदारी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद, राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और पार्टी की बिहार इकाई को दी गई है. उन्होंने आगे कहा, राज्य को तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, और वरिष्ठ नेताओं को प्रत्येक का अलग-अलग प्रभार सौंपा गया है.

**मायावती ने बैठक के बाद किया ऐलान** मायावती ने 2 मार्च को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से निष्कासित कर दिया था, लेकिन उनके सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने के बाद, उन्होंने अप्रैल में उन्हें वापस ले लिया और एक महीने बाद उन्हें पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त कर दिया. बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टी पदाधिकारियों को कमियों को दूर करने और बिहार में बेहतर परिणाम देने के लिए पूरी लगन से काम करने के निर्देश दिए गए हैं. बिहार में पार्टी की तैयारियों और राज्य में तेजी से बदलते राजनीतिक हालात और चुनावी समीकरणों का हवाला देते हुए, बसपा नेताओं ने बैठक में पार्टी प्रमुख को आश्वासन दिया कि आगामी चुनावों में पार्टी बेहतर परिणाम लाएगी.

**पोलिंग बूथ पर कमेटियों का गठन** उल्लेखनीय है कि इससे पहले उड़ीसा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों व वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के लिये दिये गये टारगेट की भी समीक्षा बैठक पार्टी प्रमुख द्वारा स्वंय अलग-अलग से ली गयी.

# भाजपा ने निकाली राहुल के पुतले की अर्थी:सीएम बोले- परेशानी है तो नाना-नानी के पास जाएं; बिहार में पीएम को कहे गए थे अपशब्द

**भोपाल।** बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की सभा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के विरोध में रविवार को भोपाल में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले की अर्थी निकाली। प्रदर्शन के लिए भाजपा महिला मोर्चा की बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भोपाल के रेड क्रॉस चौराहे पर इकट्ठी हुईं और नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ने लगीं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें सिद्धांता हॉस्पिटल के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए गलत बयान दे रहे हैं। इतनी ही परेशानी है तो उन्हें अपने नाना-नानी के पास चले जाना चाहिए। इस जगत में रहने का उन्हें कोई हक नहीं है।

**बारिश हुई तो रोड पर रखकर अर्थी तोड़ी-** प्रदर्शन के दौरान बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने अर्थी को वहीं तोड़ दिया और प्रदर्शन खत्म किया। विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, नेहा बग्गा भी शामिल रहीं।

**माया बोलीं- अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे-** भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया ने कहा कि महिलाओं का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्या महिलाएं राजनीति और अन्य क्षेत्रों में अपमान सहने के लिए काम करती है? हम राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं, क्या आपके घर में बहन-बेटियां नहीं हैं? क्या आप इसी तरह माताओं और बहनों का अपमान करते रहेंगे।

**राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें-** माया नारोलिया ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि अब मातृ शक्ति जाग चुकी है। अगर अब भी कांग्रेस ने होश नहीं संभाला तो बची-खुची कांग्रेस भी पूरी तरह स्वाहा हो जाएगी। हमारी मांग है कि राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और आगे से किसी भी महिला का अपमान न करें। भाजपा में महिलाओं को जो सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान और बराबरी का अधिकार दिया गया है, वह किसी अन्य पार्टी में नहीं है।

**कांग्रेसी नेता महिलाओं पर टिप्पणी करते हैं-** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा- राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जिनके संरक्षण में हर नेता बहनों के बारे में गलत कमेंट करता है। अभी मप्र में जीतू पटवारी ने हमारी बहनों के बारे में एक टिप्पणी की। ऐसी अशोभनीय टिप्पणी अगर कोई कर सकता है तो कांग्रेस और जीतू पटवारी जैसे नेता ही कर सकते हैं। हेमंत बोले- हमारे नेता का दुनिया भर में आदर- खंडेलवाल ने कहा- आज हजारों बहनें उनका विरोध करने और यह बताने के लिए यहां आईं कि कांग्रेस वो दल है।

# भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में चर्चा: 'स्व' की खोज से ही मिलती है असली स्वाधीनता

**भोपाल।** बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में आयोजित अध्ययन समूह की मासिक श्रृंखला में छात्रों और शिक्षकों ने ह्यस्व से साक्षात्कार पुस्तक पर विचार साझा किए। परिचर्चा का केंद्र स्वाधीनता और स्वतंत्रता का अंतर और 'स्व' की असली पहचान रहा। यह प्रज्ञा प्रवाह अंतर्गत संचालित अध्ययन समूह की 11वीं मासिक बैठक थी। इसमें अरुण कुमार ने लिखित 'स्व से साक्षात्कार' पुस्तक के अध्याय 'स्वत्व के लिए संघर्ष' का वाचन किया। उन्होंने कहा कि हम 'इंडिया' कहते हैं, अपनत्व की भावना कम होती है, लेकिन 'भारत' कहने में ज्यादा आत्मीयता महसूस होती है। यही 'स्व' की असली पहचान है। क्रांतिकारियों का संघर्ष इसी स्व के लिए चर्चा में यह बात प्रमुखता से उभरी कि स्वाधीनता और स्वतंत्रता में मूलभूत अंतर है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति है, जबकि स्वाधीनता का मतलब है अपने मूल्यों, आत्मा और संस्कृति के अनुरूप जीवन जीना। वक्ताओं ने कहा कि यही सोच भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की नींव बनी। आंदोलन की प्रेरणा स्व त्रयी स्वधर्म, स्वदेशी और स्वराज से मिली। खासकर बंगाल के क्रांतिकारियों का संघर्ष इसी स्व के लिए बड़ी भूमिका निभाता रहा।

**युवा हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार-** परिचर्चा में अमृतकाल को भी आत्म चेतना और राष्ट्रीय पुनर्जागरण का समय बताया गया। इसे उस सुबह की घड़ी से जोड़ा गया, जब पूरी तरह उजाला नहीं हुआ होता, लेकिन अंधेरा भी समाप्त हो चुका होता है। इसी प्रतीकात्मकता को आज के भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना गया। चर्चा में यह बात भी जोर देकर कही गई कि आज का युवा हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है, जरूरत सिर्फ सही दिशा देने की है। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान, समाज कार्य और समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक प्रो. कुमारेश कश्यप, डॉ. सविता सिंह भदौरिया, डॉ. अंजुम आरा, किरण बिलौनिया, डॉ. रौफ, डॉ. कायनात तरन्नुम और डॉ. राधा मिश्रा उपस्थित रहे।

# बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष पहुंचे भोपाल, डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में हेमंत खंडेलवाल

**भोपाल।** बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष आज भोपाल पहुंचे। एयरपोर्ट पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने उनका स्वागत किया।

**हितानंद के घर डेढ़ घंटे बंद कमरे में बैठक-** एयरपोर्ट से बीएल संतोष 74 बंगला स्थित प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के आवास पर पहुंचे। यहां करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में बीएल संतोष ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के साथ चर्चा की।

**निगम-मंडलों में और संगठन में नियुक्तियों को लेकर चर्चा-** हेमंत खंडेलवाल के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बने 60 दिन हो चुके हैं। लेकिन, वे अब तक प्रदेश कार्यकारिणी घोषित नहीं कर पाए हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की टीम के साथ ही काम कर रहे हैं। ऐसे में नई प्रदेश कार्यकारिणी और निगम-मंडल में नियुक्तियों को लेकर बीएल संतोष की चर्चा हुई।

**कल भी भोपाल में रहेंगे-** बीएल संतोष कल यानी सोमवार को भी भोपाल में रहेंगे। बीएल संतोष, सीएम डॉ. मोहन यादव के अलावा बीजेपी के पदाधिकारियों और संघ पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। वे संघ कार्यालय समिधा और प्रदेश बीजेपी ऑफिस भी जा सकते हैं।

**विधायकों, मंत्रियों के विवादों पर भी जानकारी ली-** मप्र में लगातार विधायकों और प्रशासनिक अफसरों के बीच टकराव के मामलों पर भी बीएल संतोष ने प्रदेश नेतृत्व से जानकारी ली है। बता दें कि पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, भिंड विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा सहित करीब डेढ़ दर्जन विधायकों के प्रशासनिक अफसरों से टकराव और नाराजगी के मामलों की जानकारी केन्द्रीय नेतृत्व तक पहुंची थी।

# औद्योगिक और ऊर्जा क्रांति का आधार बनेगी नई हाइड्रोजन निर्माण इकाई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## चंबल के बीहड़ अब बन रहे विकास और प्रगति की नई पहचान, मुरैना उभर रहा है औद्योगिक हब के रूप में

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुरैना के पिपरसेवा में हो रहा हाईड्रोजन निर्माण इकाई का भूमिपूजन नई औद्योगिक क्रांति, नई ऊर्जा क्रांति और नए मध्यप्रदेश की नींव है। मुरैना की ऐतिहासिक धरती पर स्थापित हो रही यह इकाई ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की नई विकास यात्रा का प्रतीक बनेगी। चंबल की भूमि उपजाऊ और कमाऊ होने के साथ ही टिकाऊ भी है। मुरैना जो कभी बीहड़ों के कारण जाना जाता था, आज विकास और प्रगति की नई पहचान बना रहा है। मुरैना अब सिर्फ कृषि प्रधान जिला नहीं रहा बल्कि औद्योगिक हब के रूप में भी उभर रहा है। मुरैना की गजक ग्लोबली ट्रेंड हो रही है। देश की संसद के पुराने भवन का डिजाइन भी मुरैना के मितावली मंदिर से लिया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुरैना जिले के पिपरसेवा में जीएचटू सोलर लिमिटेड की हाईड्रोजन निर्माण इकाई के भूमि-पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उद्योगपतियों से संवाद कर आशय-पत्र भी वितरित किए।

**देश को ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ेगी यह इकाई-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों, गरीबों और लघु उद्यमियों के लिए स्वदेशी की लड़ाई लड़ रहे हैं। राज्य सरकार और प्रदेशवासी पूरी प्रतिबद्धता से उनके साथ हैं। मुरैना में आरंभ हो रही हाईड्रोजन इकाई में कोरिया और ब्रिटेन की अग्रणी कम्पनियां तकनीकी सहयोग कर रही हैं। निकट भविष्य में इससे ग्रीन हाईड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना से लगभग 500 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, साथ ही रोजगार के कई अप्रत्यक्ष अवसर भी सृजित होंगे। सात एकड़ भूमि पर बनने वाली यह परियोजना पूरे देश को ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ेगी।

**प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया में एक नए आत्मविश्वास और क्षमता के साथ उभर रहा है। जी20 की सफल अध्यक्षता हो, इंडिया-मीडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमी कॉरिडोर जैसी ऐतिहासिक पहल हो या यूनाईटेड किंगडम के साथ हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, हर जगह भारत केवल सहभागी नहीं बल्कि मार्गदर्शक राष्ट्र के रूप में खड़ा है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तेजी से तीसरे स्थान की ओर अग्रसर हैं। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत को 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना दिया।

### ग्वालियर-चंबल क्षेत्र इतिहास और संस्कृति के साथ निवेश-नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केन्द्र

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र इतिहास और संस्कृति के प्रतीक होने के साथ निवेश, नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केन्द्र हैं। यहां उद्योग, पर्यटन, संस्कृति और तकनीक सभी का संगम है। हाल ही में ग्वालियर में हुई रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3 हजार 500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक 220 इकाइयों को भूमि आवंटित हुई है। जिनमें 12 हजार 500 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा, जिससे 21 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। सीतापुर में फुटवियर एंड एक्सेसरीज क्लस्टर का विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिसमें लगभग 300 करोड़ रूपए का निवेश और 1200 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। मालनपुर में एलेक्जर इंडस्ट्रीज ने 1500 करोड़ रूपए का निवेश किया है। गौतम सोलर प्रायवेट लिमिटेड 4 हजार करोड़ रूपए के निवेश से सोलर सेल निर्माण इकाई स्थापित कर रही है। राज्य सरकार ने ग्वालियर-चंबल में औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों की श्रृंखला विकसित की है।*

# भोपाल में शादी-पार्टी में काले हिरण का मीट खपाते थे:राइफल सहित शिकारी गिरफ्तार; पुलिस से बोला- वन्य प्राणियों के अंग भी बेचते थे

**भोपाल।** भोपाल की टीला जमालपुरा पुलिस ने कुख्यात शिकारी जफर बैग उर्फ धार को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 315 बोर की लाइसेंसी राइफल और एक छुरी जब्त की है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। जफर ने बताया कि वह ऑर्डर पर शादी और पार्टी में शिकार का मीट खपाने का काम करता था। इसमें काले हिरण से लेकर अन्य वन्यप्राणियों का मीट होता था। शिकार के मीट को 3 सौ से लेकर 5 सौ रुपए किलो के हिसाब से बेचा जाता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी जफर का संबंध कुख्यात अपराधी फहीम बम के गिरोह से है। यह गिरोह संगठित रूप से वन्य प्राणियों की हत्या और उसके मांस-अंगों को बेचने का काम करता है। पुलिस ने आरोपी को वन विभाग के हवाले कर दिया है।

**फहीम के घर फॉरेस्ट टीम ने रेड की थी-** टीला जमालपुरा टीआई डीपी सिंह ने बताया कि 11 जुलाई को तलैया में रहने वाले फहीम के घर फॉरेस्ट टीम ने रेड की थी। जहां से बड़ी संख्या में वन्य प्राणी का मीट मिला था। मामले में फॉरेस्ट ने फहीम के बेटे हुजेफा शेख को गिरफ्तार किया था। हुजेफा ने पूछताछ में अपने साथी जफर बैग का नाम बताया था। घेराबंदी कर बैरसिया बस स्टैंड से जफर को रविवार सुबह गिरफ्तार किया गया। जफर ने अपने साथियों के नाम भी बताए हैं।

**ऑर्डर पर मीट खपाने की बात स्वीकार की-** आरोपी ऑर्डर पर वन्य प्राणियों का मीट खपाने का काम करता था। गिरोह के सदस्य ऑर्डर पर शादियों में मीट सप्लाई करते थे। इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को पूछताछ में दी है। पूछताछ में बताया कि ऑर्डर देने वाले को इस बात की जानकारी नहीं होती थी कि उन्हें शादी पार्टी के लिए शिकार का मीट दिया जा रहा है। गिरोह का सरगना फहीम बम है, जिसकी तलाश की जा रही है।

**जफर बोला- रिजर्व एरिया में करते थे शिकार-** आरोपी जफर ने पूछताछ में रिजर्व एरिया में भी शिकार करने की बात को स्वीकार किया है। उसने बताया कि चिड़िखो, राजगढ़, सागर और तवा डैम सहित रायसेन के जंगलों में शिकार करते थे। शिकार के लिए काले और सफेद रंग की दो स्कॉर्पियो का इस्तेमाल किया जाता था। इन कारों की भी जब्ती की जाएगी।

# करोंद समेत 35 इलाकों में कल पानी की सप्लाई नहीं:भोपाल में मेट्रो-फिल्टर प्लांट के चलते असर; 40 जगह पर बिजली कटौती

**भोपाल।** भोपाल में सोमवार को कई इलाकों में बिजली और पानी की सप्लाई नहीं होगी। करोंद, छोला समेत 35 से अधिक जगहों पर पानी की सप्लाई नहीं की जाएगी। यहां मनुआभान टेकरी फिल्टर प्लांट से पानी की सप्लाई होती है। वहीं, 40 से अधिक इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मेट्रो रेल संबंधी कार्यों एवं मनुआभान टेकरी जलशोधन संयंत्र पर काम के चलते रविवार की शाम को पानी की सप्लाई प्रभावित रही। सोमवार को भी पूरे दिन पानी सप्लाई नहीं होगा। ऐसे में नगर निगम यहां पानी के टैंकर भेज रहा है।

**इन इलाकों में जलप्रदाय नहीं होगा-** करोंद, विश्वकर्मा नगर, नवीबाग, भानपुर, लांबाखेड़ा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, न्यू जेल रोड, नयापुरा, संजीव नगर, चांदबाड़ी, छोला, शिव नगर फेज-1, 2 और 3, शिवशक्ति नगर, अटल नेहरू नगर, देवकी नगर। नवाब कॉलोनी, गोंडीपुरा, दानिश कॉलोनी, शहीद कॉलोनी, आशियाना कॉलोनी, फिजा कॉलोनी, जनता नगर, हनीफ कॉलोनी, मोतीलाल नगर, रतन कॉलोनी, संजय नगर, गैस राहत क्वार्टर, कमल नगर, पन्ना नगर, ब्ल्यू मून कॉलोनी, प्रेम नगर, सुंदर नगर आदि क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा।

**इन इलाकों में बिजली भी नहीं रहेगी-** सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सलैया, सनखेड़ी, बीडीए कॉलोनी ई-सेक्टर, स्नेहा नगर, दीप मोहिनी, श्रीराम कॉलोनी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक त्रिभुवन कॉलोनी, लीला अतुल्यम, महेंद्रा एंपल, शिव आंगन, अर्बन रिवर, मुकुंद रत्नम, जवाहर चौक, टीटी नगर, गंगोत्री भवन, प्रियदर्शनी, एमपी एमएलए क्वार्टर एवं आसपास के इलाके। सुबह 10.30 से दोपहर 3.30 बजे तक भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, नवीबाग, पंचवटी, माया इन्क्लेव, पलासी, संजीव नगर, अलेक्सर गार्डन, करोंद, विवेकानंद कॉलोनी, बृज कॉलोनी, रतन कॉलोनी, पारस हाइट्स, कोरल कसा, सुख सागर कॉलोनी, फिजा कॉलोनी, देवकी नगर, जनता कॉलोनी, जनता क्वार्टर, अमलतास कॉलोनी, पूजा कॉलोनी बैरसिया रोड, रॉयल होम्स एवं आसपास के इलाके।

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर भोपाल में फिट इंडिया साइकिल रैली:हजारों साइकिलिस्ट हुए शामिल

**भोपाल।** राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत रविवार को राजधानी में खेल महोत्सव का समापन हुआ। फिटनेस और खेलों को बढ़ावा देने के संदेश के साथ निकाली गई फिट इंडिया साइकिल रैली में शहरभर से आए हजारों साइकिलिस्टों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। साइकिल रैली का नेतृत्व खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने किया। सुबह वीआईपी रोड पर राजा भोज प्रतिमा से शुरू होकर यह रैली 5 किलोमीटर लंबे मार्ग से होते हुए लेक व्यू वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी तक पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने ह्यस्वस्थ रहो-आगे बढ़ोह्व का संदेश दिया। रैली में अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों मौजूद रहे। इस मौके पर भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी मौजूद रहे और साइकिल चलाकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। रैली के समापन पर वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में जल क्रीड़ा गतिविधियों का शानदार आयोजन हुआ। यहां खिलाड़ियों ने बड़े तालाब में अपने खेल कौशल का रोमांचक प्रदर्शन किया। कायकिंग, कैनोइंग, स्लैलम और सेलिंग जैसी प्रतियोगिताओं को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए। जल क्रीड़ा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने राजधानी में खेल महोत्सव के समापन को यादगार बना दिया।

# श्री हिंदू उत्सव समिति का चुनाव, पांच उम्मीदवारों की दावेदारी:मतदान शुरू

## 11 हजार से अधिक सदस्य करेंगे फैसला

**भोपाल।** राजधानी की सबसे प्रभावशाली संस्थाओं में से एक श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आज रविवार को मतदान हो रहा है। गुफा मंदिर, लालघाटी स्थित मानस भवन में सुबह 9 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई, जो शाम 5 बजे तक चलेगी। इस चुनाव में समिति के 11 हजार से अधिक आजीवन सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। अध्यक्ष पद की इस प्रतिष्ठित जंग में पांच दावेदार मैदान में हैं। इनमें चंद्रशेखर तिवारी, दीपेश श्रीवास्तव, कैलाश बेगवानी, हेमंत कुशवाह और नारायण कुशवाह शामिल हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. पीसी कोठारी ने बताया कि मतदान के लिए समिति द्वारा जारी आजीवन सदस्यता कार्ड, आधार कार्ड अथवा भारत निर्वाचन आयोग का फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य होगा। इसके अलावा मतदाता का नाम समिति की सदस्यता सूची में होना जरूरी है।

**मतदान में उत्साह, शाम को आएगा नतीजा-** समिति के वरिष्ठ सदस्य प्रकाश मालवीय ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें और योग्य प्रत्याशी को विजयी बनाएं। वहीं सेवा संकल्प युवा संगठन ने भी सनातनियों से भारी संख्या में मतदान करने का आह्वान किया है।मतदान शाम 5 बजे तक चलेगा, इसके बाद मतगणना शुरू होगी। देर रात करीब 9 बजे तक परिणाम घोषित होने की संभावना है।

# जब चंदू मियां के सहयोग से बनते थे आकर्षक गणेश पंडाल

दैनिक भेल पॉवर

**कपिल गौर सीहोर।** जिले भर में 10 दिवसीय गणेश उत्सव की धूम मची है। शहर के मंडी क्षेत्र में भी यह पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। मंडी क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजमान हैं और पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। 10 दिवसीय उत्सव के बीच पुराने दिनों की रौनक और एक दशक पहले के उन सरल तरीकों को याद किया जा रहा है, जब गणेश उत्सव सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और भाईचारे का प्रतीक हुआ करता था और चंदू मियां आरामशीन वालों द्वारा निःशुल्क दी जाने वाली बल्लियों से आकर्षक पंडाल बनाए जाते थे। आज के दौर में गणेश उत्सव समितियों ने पंडाल बनाने का काम टेंट वालों को सौंप दिया है। आकर्षक और बड़े-बड़े पंडाल तो सज रहे हैं पर उसमें वह अपनापन और मेहनत नजर नहीं आती, जो कभी हुआ करती थी। समितियां ठेका देती हैं, टेंट वाले आते हैं और अपना काम करके चले जाते हैं, फिर पर्व के बाद सामान समेटकर ले जाते हैं।

## समितियां स्वयं करती थी पंडाल तैयार

आज से करीब 10 साल पहले तक गणेश उत्सव की कहानी कुछ और थी। गणेश उत्सव समितियां खुद ही पंडाल तैयार करती थीं। समिति के सदस्य मिलकर बल्लियां और चद्दरों की मदद से गणपति बप्पा के लिए आशियाना बनाते थे। मंडी क्षेत्र में इस काम में सबसे बड़ा सहयोग देते थे मंडी क्षेत्र के ही चंदू मियां।

## आरामशीन से मुफ्त मिलती थी बल्लियां

चंदू मियां की आरामशीन से गणेश उत्सव के लिए बल्लियां मुफ्त में मिलती थीं। समिति के सदस्य खुद जाकर बल्लियां लाते थे, दिन-रात एक कर पंडाल बनाते थे और उत्सव समाप्त होने के बाद उन्हें वापस कर आते थे। चंदू मियां का यह निःस्वार्थ भाव मंडी क्षेत्र में हर गणेश उत्सव समिति के दिल में बसा हुआ है। वह सिर्फ बल्लियां नहीं देते थे, बल्कि अपने प्रेम और सहयोग से इस आयोजन को और भी खास बना देते थे।

## पुराने दिनों को कर रहे याद

वर्तमान में गणेश उत्सव मना रहे कई पुराने सदस्य उन दिनों को याद कर रहे हैं। समिति सदस्यों का कहना है कि आधुनिकता के इस दौर में भले ही पंडाल और भव्य हो गए हों पर चंदू मियां जैसे लोगों के सहयोग से मिलने वाला वह अपनापन और भाईचारा कहीं खो गया है। गणेश उत्सव में लोग चर्चा कर रहे हैं कि वह दिन भी गजब थे।

### खेल दिवस के उपलक्ष में रैली

# आज कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा ने चलाई साइकिल

दैनिक भेल पॉवर

**रायसेन।** हॉकी के सर्वकालीन महान खिलाड़ी पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद जी की 120वी जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत जिले में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय खेल उत्सव के अंतिम दिवस रायसेन में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पांडे सहित अन्य अधिकारियोंझकर्मचारियों तथा छात्र छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। यह रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होते हुए खेल स्टेडियम परिसर में समाप्त हुई।

# हमें रायसेन शहर को हरा-भरा बनाना है - विधायक श्री चौधरी

दैनिक भेल पॉवर

**रायसेन।** शहर को हरा भरा बनाने रायसेन विकास समिति सराहनीय है।यह बात आज विधायक श्री प्रभु राम चौधरी ने कही। उन्होंने कदम के पौधों का रोपण भी किया। दिनांक 31.8.2025 को कदंब के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम वृक्षारोपण अभियान पार्ट 6 के अंतर्गत ₹रायसेन जिला विकास समिति₹ और ₹बस एक कदम और ₹वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रभुराम चौधरी विधायक सांची विधानसभा उपस्थिति रहे। इसके अतिरिक्त विशेष अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन एवं जिला अध्यक्ष भाजपा श्री राकेश शर्मा उपस्थित रहे। सांची विधानसभा विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी द्वारा रायसेन जिला विकास समिति के द्वारा किए जा रहे कदंब के वृक्षारोपण और संरक्षण कार्य की सराहना करते हुए कहा गया कि रायसेन जिला विकास समिति द्वारा बहुत सराहनीय कार्य किया जा रहा है पूर्व में भी समिति के प्रयास से सांची को रायसेन से अलग होने से

बचाया गया है । इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा कहा गया कि समिति द्वारा यह जो कदंब के पेड़ लगाए गए हैं यह कर पर्यावरण संरक्षण और रायसेन के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे आने वाली पीढ़ियां रायसेन जिला विकास समिति का नाम स्मरण करेंगी । नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन ने कहा की नगर का विकास प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी होती है , रायसेन जिला विकास समिति द्वारा रायसेन के विकास के लिए अनेक प्रयास किया जा रहे हैं समिति के सुझाव विकास के लिए सदैव आमंत्रित हैं । वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण में श्रमदान कर अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले समिति के सदस्यों श्री राधेश्याम विश्वकर्मा , श्री मुकेश यादव , श्री भूपेंद्र विश्वकर्मा एवं श्री बारेलाल सूर्यवंशी को किया गया सम्मानित । इस अवसर पर श्री ब्रजेश चतुर्वेदी, श्री बबलू ठाकुर , श्री विनय चतुर्वेदी , श्री गिरजेश कुशवाहा रायसेन जिला विकास समिति और बस कदम एक कदम और वेलफेयर सोसाइटी के सभी सदस्यों जिनमें मुख्य रूप से अध्यक्ष श्री हरीश मिश्र, डॉक्टर एके शर्मा , आर. पी.शुक्ला,श्री पी के चावला , दिनेश अग्रवाल, समिति प्रवक्ता अमित ठाकुर , एड. संघर्ष शर्मा , मनोज कुशवाहा , बृजभूषण तिवारी, आशीष चौरसिया , एड.गोपाल साहू,हरि प्रसाद सोनी, अंकित गुप्ता,मुकेश राठौर , रम्मू सेन , सहित सभी समिति सदस्य वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

### किसानों का जल सत्याग्रह

# बीमा राशि के लिए नदी में खड़े होकर मांगा न्याय

दैनिक भेल पॉवर

**सीहोर।** सोयाबीन की फसल बर्बाद होने से आहत सीहोर-भोपाल के किसानों का गुस्सा अब सडकों और नदियों तक पहुंच गया है। किसान बीमा राशि की मांग को लेकर अनोखे और भावुक कर देने वाले आंदोलन कर रहे हैं। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में पिछले एक सप्ताह से किसान सरकार और बीमा कंपनियों को जगाने के लिए जल सत्याग्रह और कई तरह के प्रदर्शन कर रहे हैं। भोपाल जिले के टीलाखेड़ी गांव में किसान नदी में जल सत्याग्रह कर रहे हैं, वहीं सीहोर के परवां और सीवन नदी में किसान अर्धनग्न होकर घंटों पानी में खड़े हैं।

## पार्वती नदी में जल सत्याग्रह

लसूडिा खास के किसानों ने पार्वती नदी में जल सत्याग्रह किया, जबकि छापरी के किसानों ने बीमा कंपनी का पुतला बनाकर नदी में डुबोया। पीपलनेर गांव में किसान अपनी बर्बाद फसल के साथ सडकों पर लेट गए, वहीं छोटी मुंगावली के किसान गहरे पानी में खड़े होकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

## पांच साल से नहीं मिल रहा लाभ

किसानों का आरोप है कि पिछले पांच सालों से हर बार किसी न किसी कारण से फसलें खराब हो रही हैं, लेकिन बीमा राशि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना है कि बीमा कंपनियां केवल प्रीमियम काट रही हैं, जबकि नुकसान की भरपाई नहीं हो रही। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बीमा राशि का भुगतान नहीं हुआ तो यह आंदोलन और उग्र होगा।

### एक पेड़ माँ के नाम

# अभियान में भाजपा जिला अध्यक्ष और सांची विधायक ने किया पौधरोपण

दैनिक भेल पॉवर

**रायसेन।** भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा एवं सांची विधानसभा के विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने जिला विकास समिति द्वारा आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कदम के पौधे का रोपण किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने माँ और प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन का आधार भी हैं। वहीं विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि धरती पर स्वर्ग वहीं है, जहां हरे-भरे वृक्ष हैं। वृक्षारोपण से श्रेष्ठ जीवन की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता जमना सेन सहित जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# टीवी शो छोरिया चली गांव यूनिट पर गांव में गंदगी फैलाने का आरोप

दैनिक भेल पॉवर

**सीहोर।** टीवी शो की शूटिंग का ग्लैमर जब किसी छोटे गांव में पहुंचता है तो ग्रामीणों की खुशी का ठिकाना नहीं रहता। उन्हें उम्मीद होती है कि गांव को पहचान मिलेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लेकिन सीहोर के ग्राम बमुलिया में हो रहे टीवी शो ह्यछोरिया चली गांवह्न की शूटिंग ने ग्रामीणों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि फिल्म यूनिट गांव में जगह-जगह कचरा फैला रही है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने बताया कि जब शूटिंग शुरू हुई थी तो वे बहुत खुश थे। उन्हें लगा कि उनका गांव भी टीवी पर दिखेगा और शूटिंग से जुड़ी गतिविधियां गांव के लिए फायदेमंद होंगी,

लेकिन अब यह खुशी परेशानी में बदल गई है। फिल्म यूनिट के सदस्य सार्वजनिक स्थानों और रपटे के पास कचरा फेंक रहे हैं। यह कचरा अब सडे लगा है, जिससे गांव में बदबू फैल रही है। इससे ग्रामीणों के साथ-साथ राहगीरों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

## शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं

ग्रामीणों ने कई बार फिल्म यूनिट से साफ सफाई की अपील की, लेकिन उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा है। न तो कचरा हटाया जा रहा है और न ही गंदगी फेंकने पर रोक लगाई गई है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है।

# पं. प्रदीप मिश्रा का जर्जर खाली मकान गिरा, टला बड़ा हादसा

### बारिश पूर्व नपा 179 को जारी किए थे नोटिस

दैनिक भेल पॉवर

**सीहोर।** अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के पैतृक मकान का एक हिस्सा रविवार को ढह गया, जिससे उनके अनुयायियों में चिंता बढ़ गई थी। हालांकि राहत की बात यह है कि प्रशासन की सक्रियता के कारण बड़ा हादसा टल गया है। दरअसल, कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देश पर नपा प्रशासन ने पहले ही इस जर्जर मकान को खाली करा लिया गया था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। कलेक्टर ने लगभग तीन महीने पहले ही जिले की सभी निकायों को बारिश से पहले जर्जर भवनों की पहचान कर उन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के तहत जिलेभर में 179 जर्जर मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे, जिनमें पंडित प्रदीप मिश्रा का मकान भी शामिल

था। इस मकान को दो माह पूर्व नोटिस देकर खाली करा लिया गया था।

## प्रशासनिक कार्रवाई से बची जानें

1 अगस्त 2024 को जिला प्रशासन की राजस्व, पुलिस और नगर पालिका की टीम ने मिलकर शहर के कई जर्जर मकानों को ध्वस्त भी किया था। इस दौरान 5 मकानों को पूरी तरह गिराया गया, जिसके बाद यह कार्रवाई रुक गई थी।

# सीआईआईटी कॉलेज में फिल्म प्रोडक्शन का वर्कशॉप का आयोजन

दैनिक भेल पॉवर

आज दिनांक स्थानीय सीआईआईटी महाविद्यालय विदिशा मे राही फिल्म प्रोडक्शन की पूरी टीम ने फिल्म प्रोडक्शन को लेकर एक करियर वर्कशॉप का आयोजन किया इस वर्कशॉप में मुख्य रूप से फिल्म इंडस्ट्री मे करियर के क्या-क्या क्षेत्र हें इसकी चर्चा हुई राही फिल्म प्रोडक्शन के डायरेक्टर धर्मेन्द्र अहिरवार जी ने छात्र झ छात्राओं को फिल्म इंडस्ट्री के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी, यह भी बताया कि इंडस्ट्री में केबल हीरो झ हीरोइन तक ही सीमित नहीं है इसके अलाबा भी करियर के काफी अवसर है। जिनमें लाखों की सैलरी मिल सकती है, पर्दे के पीछे रहकर भी हम अपने करियर में चार चाँद लगा सकते है, उन्होंने बताया की स्क्रिप्ट राइटिंग सिनेमैटोग्राफी, लायटिंग, कलर ग्रेडिंग और केमरा हैंडलिंग में भी करियर बनाया जा सकता है, डळळ के कारन अब मध्य प्रदेश शूटिंग की पहलीं चॉइस बन चूका है बहुत सारी फिल्म की शूटिंग होने लगी हैं, और भोपाल एवं इंदौर मे स्टूडियो खुल गए हैं, और भविष्य में इन क्षेत्रों में

मध्य प्रदेश इंडस्ट्री का हब होगा और नौकरिया उपलब्ध हो जाएगी राही फिल्म प्रोडक्शन के ही अनिमेष श्रीवास्तव ने जिन्होंने पंचायत वेब सीरीज में एडिटिंग वर्क किया था उन्होंने अपने इंडस्ट्री के अनुभवों को वताया और उन्होंने यह भी वताया कि किस तरह पंचायत वेब सीरीज की शूटिंग और एडिटिंग का काम मध्य प्रदेश में ही हुआ था , उन्होंने ऐक्टिंग एवं एडिटिंग की वारीकियाँ भी छात्र झ छात्राओं को इस सेमीनार में सिखाया और सेमिनार में ही कुछ छात्र झ छात्राओं से एक्टिंग भी करवाई संस्था के प्राचार्य नेहा शरण ने राही प्रोडक्शन को बहुत ही धन्यबाद दिया और छात्र झ छात्राओ से कहा कि करियर की हजारों राहे हैं, बस अपनी रुचि के अनुसार करियर के विकल्पों को चुनें सीआईआईटी कॉलेज हमेशा ही नए क्षेत्रों में जाने का मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है और सीआईआईटी कॉलेज हमेशा ही यह प्रयास करता हे कि विद्यार्थी को एसी डिग्रियाँ मिलें जिनसे विद्यार्थी का करियर सुनिश्चित हो पाए और उन्हे रोजगार के लिए यहाँ झ वहाँ भटकने की जरूरत ना पड़े ।

# दलित नाबालिग पर जानलेवा हमला, कांग्रेस सेवादल ने सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

दैनिक भेल पॉवर

**सीहोर।** दो दिन पहले नाबालिग छात्र पर हुए जानलेवा हमले को लेकर कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष नरेन्द्र कांग्रेस ने पुलिस महानिर्देशक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। बता दें घटना 30 अगस्त को रफीकगंज में हुई। आठवीं कक्षा का छात्र संस्कार मालवीय अपनी कोचिंग से वापस लौट रहा था। आरोप है कि शासकीय रास्ते का इस्तेमाल करने से नाराज होकर दबंग चतरपाल उर्फ छोटू परमार ने उस पर लकड़ी से हमला कर दिया। मासूम ने अपने हाथों से वार रोकने की कोशिश की, जिससे उसका एक हाथ टूट गया। हमले में उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल छात्र को गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। मंडी थाना में आरोपी के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

## दोषी पर हत्या के प्रयास की धारा लगाने की मांग

पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद नरेंद्र खंगराले ने कलेक्टर बालागुरु से छात्र को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला से मांग की है कि आरोपी पर हत्या के प्रयास की धारा भी लगाई जाए और उसे तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए।

**NAME CHANGE**

I, Shyam Sundar Singhal S/o Hari Sankar Singhal R/o 00, Khadiyahar, Morena, Madhya Pradesh-476554 declare that my name is wrongly written as Shyam Sunder Singhal in my minor son Taksh Singhal aged 15 years in his CBSE Class 10th Educational Documents. Actual name of mine is Shyam Sundar Singhal.

# पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

संशोधित भारतीय अनुमानों में अप्रैल के अपडेट की तुलना में 2025 के लिए 0.2 प्रतिशत अंकों की ग्रोथ और 2026 के लिए 0.1 प्रतिशत अंकों की ग्रोथ दर्ज की गई है। इसके विपरीत ग्लोबल अर्थव्यवस्था के 2025 के दौरान 3 पेर्सेंट की रेट से बढ़ने का अनुमान है।

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरूआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरे-?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षाः आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ.मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट. और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या ?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है–जीवन के शुरूआती छह वर्षों में। वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और



नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरूआत,उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है। मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरूआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है। बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्याँवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरूआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है। व्य वस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे, अब उन्हें अपने बच्चे की शिक्षा की यात्रा में पहला कदम मानते हैं। भारत में हर बच्चा जन्म से ही मजबूत शुरूआत का हकदार है।

# अनुसन्धान संस्थान में तकनिकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक ( राजभाषा ) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ळ जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अतः यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अतः अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अतः आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरूआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय। डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं।लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अतः हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है। करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान।। इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है। पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं। अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है।

## संपादकीय

# भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

वै ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दशार्ता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी। भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। इफकउर देशों के बीच रुपये आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है। अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र–दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजल–में खपत होता है। इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनको बढ़ावा देना शुरू किया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है। भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यतः कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों की क्षमता 217 जीडब्ल्यू पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनेर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्त्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

## (आस्था)

### राधा अष्टमी पर जरूर पढ़ें ये व्रत कथा, सुखी वैवाहिक के साथ पाएंगे सुख-समृद्धि

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा रानी का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को राधाष्टमी या राधा अष्टमी के रूप में मनाते हैं। भगवान कान्हा के जन्म यानी भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि से ठीक 15 दिन बाद राधा रानी का जन्म हुआ था। इस दिन भक्त गण व्रत रखने के साथ राधा रानी का धूम धाम से जन्मोत्सव मनाते हैं। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने से राधा, श्री कृष्ण के अलावा मां लक्ष्मी का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन राधा रानी के साथ श्री कृष्ण की पूजा करने का विधान है। अगर आप भी राधा अष्टमी का व्रत रख रहे हैं, तो राधा रानी की विधिवत पूजा करने के साथ इस व्रत कथा का पाठ अवश्य करें। आइए जानते हैं राधा अष्टमी की संपूर्ण कथा वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद शुक्ल अष्टमी तिथि 30 अगस्त रात 10.46 बजे से आरंभ हो रही है, जो 1 सितंबर को तड़के 12.57 बजे पर समाप्त होगी। उदया तिथि के हिसांब से 31 अगस्त 2025, रविवार को राधाष्टमी का व्रत रखा जाएगा। राधा अष्टमी पर मध्याह्न काल में पूजा करने का विधान है। राधाष्टमी पर मध्याह्न काल 31 अगस्त को सुबह 10.42 बजे से दोपहर 1.14 बजे तक रहेगा। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, एक समय की बात है गोलोक धाम, जहाँ श्रीकृष्ण अपने नित्य विहार करते हैं, वहीं राधा रानी भी श्रीकृष्ण के साथ निवास करती थीं। एक बार की बात है, जब राधा रानी कुछ समय के लिए गोलोक से दूर थीं, तब भगवान श्रीकृष्ण अपनी एक सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे। जब राधा जी को इस बात का समाचार मिला, तो वे अत्यंत क्रोधित हो उठीं और तत्काल श्रीकृष्ण के पास पहुँचकर उनसे कठोर वचन कहने लगीं। राधा रानी का यह रूप देखकर श्रीकृष्ण के परम मित्र श्रीदामा को बहुत दुःख हुआ। उन्होंने सोचा कि राधा जी ने प्रभु श्रीकृष्ण से अनुचित व्यवहार किया है। इसी कारण क्रोधवश श्रीदामा ने राधा जी को शाप दे दिया किह्हे देवी! आपको अपने दिव्य धाम गोलोक को छोड़कर पृथ्वी लोक पर जन्म लेना पड़ेगा।ह्व यह शाप सुनकर राधा रानी और भी क्रोधित हुई और उन्होंने प्रतिशोध में श्रीदामा को भी श्राप दे दिया ह्हे श्रीदामा! तुम भी राक्षस कुल में जन्म लोगे और वहाँ अपने कर्मों के कारण अंततः मृत्यु को प्राप्त होगे।

## आज का राशिफल

**मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।**

**मेष:** खाते-पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। होशियारी से निवेश करें। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाजे बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। आज के दिन अपने प्रिय से कोई तल्ख बात न कहें। जल्दबाजी में फैसले न करें, ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तकरार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा। जिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

**वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।**

**वृषभ:** आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

**मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।**

**मिथुन:** आज आप खुद को सुकून में और जिंदगी का लुत्फ़ उठाने के लिए सही मनोदशा में पाएंगे। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने खर्चों को बहुत ज्यादा बढ़ाने से बचें। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। आपका जीवनसाथी आपकी कमजोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

**कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।**

**कर्क:** बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप खुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं।

**सिहं: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।**

**सिंह:** आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आपके कामों के पीछे प्यार और दूरदृष्टि की भावना होनी चाहिए, न कि लालच का जहर। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

**कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।**

**कन्या:** आपका रूखा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड खराब कर सकता है। आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। आज पूरे दिन आप खाली रह सकते हैं और टीवी पर कई फिल्में और प्रोग्राम देख सकते हैं।

**तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।**

**तुला:** दौड़-भाग भरा दिन आपको तुनकमिजाज बना सकता है। रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फायदा न उठाने दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दु:ख आपको टीस देता रहेगा। जरूरतमंदों की मदद करने की आपकी खासियत आपको सम्मान दिलाएगी। जीवनसाथी से बहुत ज्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ ले जा सकता है। प्यार से बढ़कर कोई अहसास नहीं।

**वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।**

**वृश्चिक:** आप अपनी भावनाओं पर काबू रखने में दिक़्कत महसूस करेंगे झ आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमे झुंझलाहट पैदा करेगा। केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौका है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। इस राशि के लोगों को आज शराब सिगरेट से दूर रहने की जरुरत है क्योंकि इससे आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

**धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।**

**धनु:** आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक़्क ी की रफ़्तार बरकरार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। दूसरों के मामलों में दखल देने से आज बचें। प्यार के नजरिए से यह दिन बेहद खास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फायदेमंद साबित होगी। अगर थोड़ी-सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

**मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।**

**मकर:** बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से खुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की जरूरत है। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी जिम्मेदारी समझाने की जरूरत है। आपके प्रिय का डांवाडोल मिजाज आपको परेशान कर सकता है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

**कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।**

**कुंभ:** अपने दिन की शुरूआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारें में अच्छा महसूस करने की शुरूआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। आपका अड़ियल रवैया घर पर लोगों के दिलों को चोट पहुँचा सकता है, यहाँ तक कि नजदीकी दोस्त भी आहत हो सकते हैं।

**मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।**

**मीन:** घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इजाफा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। खराब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी खबर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के लम्हे लाएगी।

# बच्चा अपनी दुनिया बनाने निकले

बच्चा जब बड़ा होकर स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई करने के बाद, घर से बाहर अपनी नयी दुनिया बनाने निकलता है, तो अक्सर अभिभावक के लिए इसे सहजता से ले पाना मुश्किल हो जाता है। बच्चे के बिना खाली घर अभिभावक को इतना ज्यादा परेशान करता है, जितना बच्चे की शैतानियां भी नहीं करती थीं लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि परिवर्तन संसार का नियम है, इसलिए बेहतर यही है कि आप अपने जीवन में आये इस नये बदलाव को स्वीकारें और सहज रहने की कोशिश करें।

**बच्चे के लिए महत्वपूर्ण हैं आप:** कॉलेज की पढ़ाई पूरी करना इस बात का सूचक है कि अब आपका नन्हा बड़ा हो चुका है और उसे अब आपकी उंगली पकड़ कर चलने की जरूरत नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उसके जीवन में आपका महत्व कम हो गया है। इस बात को खुले दिल से स्वीकारें कि यह आपकी ही अथक मेहनत और लगन का नतीजा है कि आज आपका बच्चा अपने पैरों पर खड़े होने के काबिल बन पाया है। इसलिए बच्चे की सफलता में खुद की सफलता का जश्न भी मनाएं। बच्चे की सफलता इस बात का प्रमाण है कि अपनी तमाम परेशानियों और दिक्कतों के बावजूद आप अपने बच्चे को बेहतर परवरिश देने में कामयाब रही हैं। इससे उसमें भी यह अहसास जगेगा कि आप उसकी खुशी में बराबर से शरीक हैं।

**स्वीकारें कि अब वह बच्चा नहीं रहा:** जब बच्चा बड़ा होने के बाद पहली बार बाहर की दुनिया में कदम रखता है, तो वो हर नया अनुभव लेना चाहता है। ऐसे में संभव है कि वह आपके साथ ज्यादा समय न बिता पाये। यह भी हो सकता है कि उसके जीवन पर किसी अन्य व्यक्ति का विशेष प्रभाव पड़ रहा हो। लेकिन ऐसे समय में घबराने के बजाए या असुरक्षित महसूस करने के बजाए संयम से काम लें। बेशक अपने बच्चे को लायक और काबिल बनाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान आपका ही है, लेकिन जब बच्चा आत्मनिर्भर होना शुरू करता है, तो बहुत से नये लोगों के संपर्क में आता है, जिनमें से कुछ उसके जीवन को बहुत ज्यादा प्रभावित भी करते हैं।

## बदलिये अपना नजरिया

गिलास आधा खाली है या आधा भरा, यह तय करना आपकी सोच और जीवन के प्रति आपके नजरिये को व्यक्त करता है। तो क्यों न इस बदलाव को पूरी तरह सकारात्मक रूप में लिया जाए। बेशक आपका बच्चा इतने साल आपके जीवन की धुरी बना रहा, लेकिन अब जरा अपनी सोच और जीने के तरीके में बदलाव लाइये। आप चाहें तो कोई हॉबी क्लास ज्वाइन कर सकती हैं। बरसों से किसी मित्र से नहीं मिलीं हैं, तो उससे मिलने का समय निकालिये। दोस्तों संग बाहर घूमने का प्रोग्राम बनाइये। या फिर लिखने-पढ़ने का शौक है, तो उसे पूरा कीजिए। कहने का मतलब है कि उम्र के इस पड़ाव पर अकेलापन महसूस करने और दुखी होने के बजाए इस बात की खुशी मनाइये कि आपको एक बार फिर से अपनी जिंदगी अपनी तरह से जीने का मौका मिला है। अगर आप ऐसा करेंगी तो यकीन मानिये आपके बच्चे को भी इससे बहुत खुशी मिलेगी और जिंदगीभर आप उसके लिए एक आदर्श और मिसाल बनकर रहेंगी कि जिंदादिली के साथ कैसे जिया जाता है।

# अच्छी नींद ऐसे आयेगी बच्चों को

बच्चों को सुलाना आसान नहीं होता क्योंकि जरा सी भी आवाज से उनकी नींद टूट जाती है पर साथ में सुलाकर आप उसे आत्मनिर्भर बनने से रोकती हैं, इसलिए उनको अलग सुलाएं। रही बात उम्र की, तो इस पर सबके अपने-अपने विचार हो सकते हैं। कुछ लोग 3-4 साल की उम्र के बाद से ही बच्चे को अलग सुलाने की बात कहते हैं, तो वहीं कुछ लोग इसकी सही उम्र 6-7 साल मानते हैं। इस सबके बीच आपको सबसे पहले बच्चों की सोने से जुड़ी आदतों को समझना होगा। बिना इन आदतों को समझे बच्चे को अलग सुलाना कठिन होता है। ऐसे में ये जरूरी है कि आप उनकी नींद को ठीक से समझें और इसको समझ कर ही उनको अलग सुलाने की योजना बनाएं।

### हर बच्चे का तरीका अलग

**हर बच्चे को सुलाने का तरीका अलग-अलग हो सकता है। इसलिए जब भी आप बच्चे को अलग सुलाने की सोचें, तो इस बात पर तवज्जो दें कि वह कैसे सोता है। हर बच्चा अपने-आप में अलग होता है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को पहले समझें और अपना नया तरीका आजमाएं।**

### कमरा हो बच्चे की पसंद का

सोने का वातावरण भी अनुकूल होना जरूरी है। जब आप बच्चे को अलग सुलाने के बारे में सोचें, तो सबसे पहले उसके कमरे पर ध्यान दें। उसके कमरे का इंटीरियर, परदे का रंग, उसकी बेडशीट, सब कुछ उसकी पसंद के हिसाब से होने चाहिए, तभी बच्चा उस कमरे से जुड़ाव महसूस करेगा। बच्चे को जो भी चीजें पसंद हों, वह उसके कमरे में सजाएं। कुल मिलाकर बच्चे को यह एहसास हो कि यह उसका अपना कमरा है, जो उसके लिए सजाया गया है। बच्चे के कमरे में शांति भी जरूरी है। यहां शांति का मतलब यह बिल्कुल नहीं कि घर में कोई आवाज न हो। बच्चों को आम आवाजों के बीच सोने में कोई परेशानी नहीं होती। बस ख्याल यह रखें कि कमरे में कोई आर्टिफिशियल आवाज न आए, जैसे टीवी की या म्यूजिक सिस्टम की। इससे उनकी नींद में बाधा आती है।

### कपड़े हों आरामदायक

बच्चों को हमेशा आरामदायक कपड़े पहना कर सुलाना चाहिए। कई बार बच्चे समझ नहीं पाते हैं कि उनको नींद क्यों नहीं आ रही है। पर इसका कारण उनके असहज कपड़े भी हो सकते हैं। हो सकता है कि उनके कपड़े कुछ टाइट हों या फिर उनको उन कपड़ों में ज्यादा गर्मी लग रही हो।

### इन बातों का भी रखें ध्यान

बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी। सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी। सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं। बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।

# रंग से जाने बच्चों का स्वभाव...

बच्चे बहुत मासूम होते हैं। उनका दिल पाक साफ होता है। जो उनके मन में होता वह वही बोलते और वही करते हैं। फिर भी कई बार मां-बाप बच्चे को समझ नहीं पाते। कभी- कभी तो वह यह भी नहीं जान पाते की उनको क्या हुआ है। वह क्या चाहते हैं। इन्हीं कारणों से अभिभावक बच्चे के स्वभाव को लेकर परेशान होने लगते हैं। अब आपको बच्चे के स्वाभव को लेकर चिंता करने के जरूरत नहीं है। आप अपने बच्चे के फेवरेट कलर के माध्यम से उनकी पर्सनालिटी व स्वभाव के बारे में जान सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

**नीला रंग:** जो बच्चा नीले रंग को पसंद करता है वह हमेशा खुद को दूसरों से बेहतर दिखाने की कोशिश करता है। उनका स्वाभाव न ज्यादा चंचल और न ही भोला होता है। खेल-कूद करने के साथ ही इनको पढ़ाई लिखाई का भी शौक होता है। जिन बच्चों को यह रंग पसंदीदा होता है वह अपने काम से मतलब रखते हैं ज्यादा किसी से बात नहीं करते।

**हरा रंग:** हरा रंग पसंद करने वाले बच्चे बड़े ही आकर्षक व आत्मविश्वासीय होते हैं। ये इतनी प्यारी बाते करते हैं कि सबका ध्यान खूद व खूद इनकी ओर हो जाता है। ऐसे बच्चे हमेशा सकारात्मक सोच रखते हैं और जीवन की कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना डट कर करते हैं।

**काला रंग:** कुछ बच्चों को काला रंग बहुत पसंद होता है। इस रंग को पसंद करने वाले तेज दिमाग के सथ पक्के इरादो वाले और कड़वी जबान के होते है लेकिन इनका मन के साफ होते हैं।

**लाल रंग:** जिन बच्चों का लाल रंग फेवरेट होता हैं वह स्वभाव के शरारती और बहुत फुर्तिले होतें हैं। इन्हें किसी भी तरह की रोक-टोक पसन्द नहीं होती। ऐसे बच्चे अपने विचारों को दूसरों के सामने बहुत ही अच्छे तरीके से रखते हैं।

**पीला रंग:** पीले रंग को पसंद करने वाले बच्चे शांति व सादगी प्रिय होते हैं। ऐसे बच्चे अपनी बात को जल्दी किसी के साथ शेयर नहीं करते। ये बच्चे कभी झूठ नहीं बोलते।

# संवेदनशील बच्चों का ऐसे रखें ध्यान

खेलना-कूदना, शरारत करना आदि बच्चों के लिए सामान्य-सी बात है, लेकिन वहीं कुछ बच्चे अपनी गुमसुम दुनिया में व्यस्त रहना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे बच्चों की परवरिश में थोड़ी सतर्कता की जरूरत होती है।

### समझें अपने बच्चे को

कई बच्चे होते हैं, जो दुनिया से कटे-कटे रहते हैं और कहीं न कहीं इन सभी की मांएं अपने बच्चों को लोगों के करीब ले जाना चाहती हैं लेकिन ऐसी स्थिति में बच्चों को समझाने से ज्यादा खुद माताओं को यह समझना जरूरी है कि यहां कोई भी जोर-जबरदस्ती काम नहीं आने वाली। वो इसलिए, क्योंकि ऐसे बच्चे बहुत ज्यादा संवेदनशील होते हैं और इनसे बर्ताव का तरीका सामान्य बच्चों से अलग होता है। अगर बच्चा संवेदनशील है तो माताओं को अपने व्यवहार में तब्दीली लाने और कुछ बातों को समझने की जरूरत है।

बच्चा चुप-चुप रहता है, ज्यादा किसी से मिलता नहीं। ऐसे में आप उस पर सामाजिकता का जोर डालना बंद कर दीजिए। उसके व्यवहार को बदलने की जगह उसकी रुचि को बढ़ावा देने की कोशिश कीजिए। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अपने बच्चे को जबरदस्ती अन्य बच्चों की तरह एक्टिव और स्मार्ट बनाने की जरूरत नहीं है। हर बच्चा एक-सा नहीं होता। अगर बच्चा घर में ज्यादा रहना पसंद करता है तो उसे किताबों, पेंटिंग, कहानी लेखन जैसी चीजों में व्यस्त किया जा सकता है। इस तरह से बच्चे भविष्य में कमाल दिखा सकते हैं। हां, थोड़ी-बहुत सामाजिकता के लिए उसे अकेले में प्यार से समझाएं और किसी भी काम को करने के लिए सही और सही कारण सामने रखें। बच्चा संतुष्ट हो जाएगा तो खुद उस काम को करेगा।

हम अकसर ही बच्चों पर अपना पूरा अधिकार समझते हुए उन्हें कहीं भी डांट लगा देते हैं, लेकिन संवेदनशील बच्चे इन्हीं बातों को दिल से लगा बैठते हैं। उनका सोचने का तरीका नकारात्मक होने लगता है और धीरे-धीरे उन्हें सामान्य-सी बात समझाना भी मुश्किल पड़ने लगता है। बच्चों की भावनाओं की जिम्मेदारी आपकी है। उसे चोट न पहुंचने दें। अपने बच्चे को अकेले में मौका देखकर समझाएं। किसी कारणवश सबके बीच डांटना पड़ा भी तो बाद में उसे उस डांट का कारण देकर तसल्ली दें। जब बच्चे को आपका टोकना पसंद नहीं आता तो जाहिर है दूसरों का बिल्कुल नहीं आएगा। ऐसे में अपने बच्चे की संवेदनशीलता के बारे में पहले ही टीचर और दूसरों को बता दें तकि बच्चा उन लोगों के बीच सहज महसूस कर सके। बच्चे की संवेदनशीलता का ध्यान रखते समय इस बात का ख्याल भी जरूरी है कि कहीं वो बिगड़ न जाए। बच्चे के लिए मां बदल सकती है, लेकिन दुनिया नहीं। ध्यान रखें कि बड़े होकर उसको भी जीवन के उतार-चढ़ाव देखने होंगे। इसके लिए आप बच्चे से अपने घर के नियमों का पालन जरूर करवाइए। बच्चे के लिए नियम तोड़ना उसे जिद्दी बना देगा।

### सब्र से काम लें

संवेदनशील बच्चे भावनाओं से ओतप्रोत होते हैं। इनको समझने और समझाने के लिए आपको सबसे पहले खुद में सब्र लाना जरूरी है। आपका धैर्य खोना उनकी भावनाओं को चोट पहुंचा देता है।

# बच्चे को बांटना इस प्रकार सिखायें

**तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।**

**आप सिखाएंगी, वो सीखेगा:** बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

**धीरे-धीरे सीखेगा बांटना:** बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

**न करें जबरदस्ती:** बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते।

# जब तक फायदेमंद है, तब तक रूसी तेल की हर बूंद खरीदेंगे, ओएनजीसी चेयरमैन की दो टूक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकारी तेल एवं गैस कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को साफ कहा कि उनकी समूह कंपनियां रूसी कच्चे तेल की खरीद और प्रसंस्करण तब तक जारी रखेंगी, जब तक यह आर्थिक और वाणिज्यिक दृष्टि से लाभकारी साबित होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत सरकार की ओर से रूसी तेल आयात को रोकने या सीमित करने का कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि रूसी तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं है और जब तक भारत सरकार की ओर से कोई अन्य निर्देश नहीं मिलता तब तक ओएनजीसी समूह की रिफाइनरियां- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) रूस से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र हैं। अरुण कुमार सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, जब तक यह आर्थिक रूप से फायदेमंद है, तब तक हम बाजार में उपलब्ध रूसी तेल की हर बूंद खरीदते रहेंगे। ओएनजीसी समूह की दोनों प्रमुख रिफाइनरी कंपनियां- एचपीसीएल और एमआरपीएल मिलकर लगभग 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की रिफाइनिंग क्षमता रखती हैं। इसके अलावा, एचपीसीएल की 11.3 एमटीपीए क्षमता की एक संयुक्त उद्यम रिफाइनरी मित्तल एनर्जी के साथ है।

देश की कुल रिफाइनिंग क्षमता इस समय 258 एमटीपीए है।

**ओएनजीसी विदेश रूस में फंसे 35 करोड़ डॉलर की निकासी में जुटी :** इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को उम्मीद है कि रूस के साथ बैंकिंग चैनल खुलने और वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों में छूट मिलने के बाद वह दोनों देशों से अपना अटका हुआ बकाया वसूल कर पाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेश निवेश इकाई ओवीएल के प्रबंध निदेशक राजर्षि गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि रूस में ओवीएल की तेल एवं गैस परिसंपत्तियों से मिले करीब 35 करोड़ डॉलर के लाभांश वहां के बैंकों में फंसे हुए हैं। वहीं, वेनेजुएला में भी प्रतिबंध लगने की वजह से करीब 60 करोड़ डॉलर की राशि अटकी हुई है। गुप्ता ने कहा कि रूस में स्थित परिसंपत्तियों से मिलने वाला लाभांश जुलाई, 2022 के बाद से स्थानांतरित नहीं हो पाया है हालांकि संचालन सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस मसले का समाधान जल्द निकलेगा और कंपनी अपनी रकम वापस ला सकेगी। भारत की पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में कुल 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है। इनमें वैंकॉरनेफ्ट और तास-यूर्याख समेत कई तेल एवं गैस परियोजनाओं में हिस्सेदारी शामिल है। ओवीएल के पास वेनेजुएला के सान क्रिस्टोबल क्षेत्र में भी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है और कंपनी ने वहां भी बकाया वसूली के लिए प्रतिबंधों में छूट मांगी है।

**भारत सरकार का रुख: जहां से सबसे अच्छा सौदा, वहां से तेल खरीद :** भारत की सरकारी रिफाइनरियों को रूसी तेल आयात के संबंध में सरकार से कोई निर्देश या संकेत नहीं मिला है। इन रिफाइनरियों की रणनीति आर्थिक और व्यावसायिक विचारों पर आधारित है। भारत सरकार का रुख स्पष्ट है कि देश वहां से तेल खरीदेगा, जहां से उसे सबसे अच्छा सौदा मिलेगा, बशर्ते वह तेल प्रतिबंधों के अधीन न हो। रूसी तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं है, केवल अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा लगाया गया एक मूल्य सीमा (प्राइस कैप) लागू है, जो तब प्रभावी होता है जब रूसी तेल के परिवहन के लिए पश्चिमी शिपिंग और बीमा सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

**रूस अब सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता :** आज की स्थिति में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है और 35-40 प्रतिशत तक कच्चा तेल भारत को वहीं से मिल रहा है। 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, तब भारत के आयात में रूस की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी। पश्चिमी देशों द्वारा रूस का तेल ठुकराए जाने के बाद, मॉस्को ने इच्छुक खरीदारों को भारी छूट पर तेल देना शुरू किया, जिसका फायदा भारतीय रिफाइनरियों ने उठाया और कुछ ही महीनों में रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

### अमेरिकी दबाव और अतिरिक्त टैरिफ

भारतीय रिफाइनरियों द्वारा रूसी क्रूड का भारी मात्रा में आयात ट्रंप प्रशासन के लिए एक प्रमुख विवाद का कारण बन गया है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के रूसी तेल आयात को दंडित करने के लिए भारतीय सामानों पर पहले से लागू 25 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। भारत ने रूसी तेल खरीद को लेकर निशाना बनाए जाने को अनुचित और अव्यवहारिक करार दिया है। भारत सरकार का कहना है कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं द्वारा तेल को यूरोप की ओर मोड़ दिए जाने के बाद भारत ने रूसी तेल का आयात शुरू किया था। इसके साथ ही, अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों की स्थिरता को मजबूत करने के लिए भारत को रूसी तेल आयात बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया था।

### प्रेम प्रसंग से गुस्साए पिता ने बेटी को मार डाला

**कलबुर्गी , एजेंसी।** कर्नाटक के कलबुर्गी में एक दुखद मामला सामने आया है। यहाँ पर एक पिता ने अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज होकर उसकी हत्या कर दी। फिर इस हत्या को छिपाने के लिए मृतका के मुंह में कीटनाशक डाल दिया। बाद में इस हत्या को खुदकुशी करार देकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि यह घटना कुलबर्गी जिले के मेलाकुंडा गांव में हुई है। इस गांव के थाने में इस बात की सूचना मिली थी कि एक 18 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली है और उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। कलबुर्गी पुलिस कमिश्नर शरणाप्पा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस गांव में पहुंची और पूछताछ शुरू कर दी। लोगों से मिली जानकारी और सबूतों के आधार पर पुलिस ने पुष्टि की कि पिता अपनी बेटी के दूसरी जाती के युवक के साथ चलते प्रेम प्रसंग के कारण नाराज था।

उसने रिश्तेदारों के जरिए और खुद से भी पहले बेटी को समझाने की कोशिश की, लेकिन बेटी अपने प्रेम प्रसंग को लेकर अड़ी रही। शरणप्पा ने बताया कि पांच बेटियों के पिता को डर था कि अगर उसकी दूसरे नंबर की बेटी का प्रेम प्रसंग किसी दूसरी जाती के युवक के साथ रहा तो उसकी बाकी की तीन बेटियों की शादी में परेशानी होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### बलिया में युवती ने आत्महत्या की

**बलिया , एजेंसी।** बलिया जिले में फेफना थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि खुशी यादव (19) ने फेफना थाना क्षेत्र में पियरिया गांव स्थित अपने ननिहाल में शुक्रवार की शाम को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि सुखपुरा थाना में ब्रह्माइन गांव के हरिनारायण यादव की पुत्री खुशी अपने नाना फेफना थाना क्षेत्र के पियरियां गांव निवासी मोहन यादव के यहां रहती थी। उसके माता-पिता अपने गांव ब्रह्माइन रहते थे। फेफना थाना प्रभारी विश्वदीप सिंह ने शनिवार को बताया कि युवती ने फांसी क्यों लगाई, इस मामले की छानबीन की जा रही है।

### टैरिफ लगाया जा रहा, पूरे देश में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित होनी चाहिए : शिवराज सिंह चौहान

**मैसूर, एजेंसी।** भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सबके निशाने पर आ गए हैं। भारत में स्वदेशी प्रोडक्ट्स के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल की अपील की जा रही है। इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ऐसी ही अपील करते हुए ट्रंप का बिना नाम लिए उन्हें अधिनायकवादी कह दिया है। उन्होंने कहा है कि आज टैरिफ लगाया जा रहा है, ऐसे में पूरे देश में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित होनी चाहिए और स्वदेशी उत्पाद का इस्तेमाल करना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मैं एक निवेदन करना चाहता हूं, विचारधारा के राजनीतिक मतभेद तो हैं, लेकिन राष्ट्रहित के मुद्दों पर पूरे देश को एक साथ खड़ा होना चाहिए। कुछ देशों के नेता अधिनायकवादी जैसा व्यवहार कर रहे हैं, जो पूरी दुनिया के लिए संकट बन गया है। ऐसे में, मैं खड़े होकर यह कहने का साहस करता हूं कि, भौतिकवाद की आग में जलती हुई मानवता को, अगर कोई शाश्वत शांति का मार्ग दिखाएगा, तो वह हमारा भारत, हमारा देश ही होगा। इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं है, इसलिए जरूरी है कि हमारा देश मजबूत बने। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, हमारे देश को दुनिया के लिए एक दिशा निर्धारित करने का प्रयास करना चाहिए। इसलिए, मैं आज भारत के सामने मौजूद चुनौतियों के विस्तार में नहीं जाना चाहता, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अपील की है। आज का ताजा संकट, टैरिफ लगाए जा रहे हैं, ऐसे माहौल में, पूरे देश में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित होनी चाहिए। प्रत्येक भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने दैनिक जीवन में केवल उन्हीं उत्पादों का उपयोग करेंगे जो हमारे देश में बने हैं। यह जरूरी है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। मुझे पूरा विश्वास है कि देशवासी इस दिशा में एक नया इतिहास रचेंगे।

### यूपी पुलिस में तैनात सिपाही की पत्नी ने फर्जीवाड़ा कर हड़पी बीएड की छात्रवृत्ति

**लखनउ, एजेंसी।** यूपी पुलिस में तैनात सिपाही की पत्नी ने फर्जी दस्तावेज लगाकर बीएड की छात्रवृत्ति हड़प ली। इस संबंध में शिकायत की गई और साक्ष्य भी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और पुलिस को उपलब्ध कराए गए। साक्ष्य आधार पर शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद मेरठ कोतवाली में सिपाही की पत्नी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शास्त्रीनगर निवासी एडवोकेट मोहम्मद शाहिद ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और एसएसपी मेरठ को एक शिकायत भेजी। आरोप लगाया कि नंगलाताशी कंकरखेड़ा निवासी रेशमा सैफी ने वर्ष 2022 में मेरठ के ही इस्माइल नेशनल महिला पीजी कॉलेज में बीएड में एडमिशन लिया था। रिकॉर्ड के अनुसार 21 नवंबर 2022 को एडमिशन लिया। 15 सितंबर 2022 को रेशमा का निकाह मोहम्मद आरिफ निवासी खेड़ी-सराय थाना मीरापुर मुजफ्फरनगर के साथ हो चुका था। मोहम्मद आरिफ यूपी पुलिस में कांस्टेबल है और कानपुर में तैनाती है।

### धर्मस्थल मामले में बड़ा मोड़, बेटी के लापता होने की शिकायत वापस लेना चाहती हैं सुजाता भट

**बेंगलुरु, एजेंसी।** कर्नाटक के प्रसिद्ध धर्मस्थल मंदिर परिसर से 2003 में अपनी बेटी अनन्या के लापता होने का आरोप लगाने वाली सुजाता भट ने विशेष जांच दल की पूछताछ के दौरान अपनी शिकायत वापस लेने की इच्छा व्यक्त की है। शुक्रवार को हुई पूछताछ में एसआईटी ने सुजाता के बयानों को उनके पहले के दावों से विरोधाभासी पाया, जिसके चलते जांचकर्ताओं का मानना है कि वह सच नहीं बोल रही हैं और कानूनी प्रक्रिया में बाधा डाल रही हैं। पीटीआईकी रिपोर्ट के अनुसार, पूछताछ के दौरान सुजाता दबाव में दिखीं और लंबी पूछताछ का सामना करने में उन्हें कठिनाई हो रही थी। सुजाता ने पहले दावा किया था कि उनकी बेटी का गायब होना एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था। शुक्रवार को उन्होंने इस कथित षड्यंत्र में शामिल कुछ व्यक्तियों के नाम उजागर किए। हालांकि, स्थूल अधिकारियों ने इन खुलासों की पुष्टि नहीं की और कहा कि इनकी सत्यता की जांच की जा रही है।

## वाराणसी में बाढ़ पीड़ितों से मिले सीएम योगी, हाल जाना, छोटे बच्चों को चॉकलेट देकर दुलार भी किया

**वाराणसी, एजेंसी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराण्सी में जेपी मेहता इंटर कॉलेज में बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। उनका हालचाल भी जाना। राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर हाल में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उनकी हर बुनियादी जरूरत प्राथमिकता पर पूरी की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत सामग्री वितरण में लापरवाही न हो और हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचनी चाहिए।

बाढ़ राहत शिविर में रह रहे छोटे-छोटे बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलार करते हुए उन्हें चॉकलेट के पैकेट दिए। मुख्यमंत्री के हाथों बच्चे जैसे ही चॉकलेट का पैकेट पाए, खिलखिला उठे। इसके अलावा काशी में होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होने आ रहे मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियां की मुख्यमंत्री ने जानकारी ली। इस सम्बंध में अफसरों को तैयारी करने का निर्देश दिया। दो दिनी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने

सर्किट हाउस सभागार में द्विपक्षीय वार्ता की तैयारियों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि तैयारी इस तरह की हो कि पूरा विश्व मॉरीशस और भारत की साझा संस्कृति से रूबरू हो। काशी के आतिथ्य की वैश्विक पहचान है। उसी परम्परा के लिहाज से स्वागत होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जी-20 के आयोजनों के दौरान हुई साफ-सफाई, स्वागत और साज-सज्जा जैसी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों प्रधानमंत्री काशी से देश के लिए इबारत लिखने वाले हैं। जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे स्वागत सहित अन्य कार्यक्रमों में समन्वय बनाकर काम पूर्ण कराएं।

### पांडुलिपि संरक्षण में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की शाम संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत चल रहे दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण कार्य का जायजा लिया और इसे तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की तरफ से इस काम में हरसंभव मदद का भी भरोसा दिलाया। इस दौरान कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्माकुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी हरिशंकर मिश्र, प्रो. जितेन्द्र कुमार, प्रो. महेन्द्र पांडेय, विनयाधिकारी प्रो. दिनेश कुमार गर्ग आदि मौजूद थे।

## उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ ने दिया पेंशन के लिए आवेदन

### कौन-कौन सी सुविधाएं मिलेंगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद अब पेंशन के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने यह आवेदन राजस्थान विधानसभा में दायर किया है, जहां वह किशनगढ़ सीट से 1993 से लेकर 1998 तक विधायक रहे थे। सूत्रों और मीडिया रिपोर्ट से मिल रही जानकारी के मुताबिक उन्होंने पेंशन के लिए विधानसभा सचिवालय में आवेदन दिया, जिसपर स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। तय नियमों और प्रावधानों के मुताबिक उन्हें न्यूनतम 42 हजार रुपये की पेंशन मिलेगी। इसके अतिरिक्त उन्हें पूर्व विधायकों को मिलने वाली सुविधाएं भी प्राप्त होंगी।

आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनने से पहले जगदीप धनखड़ 1989 से 1991 तक राजस्थान के झुंझनू सीट से लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। उन्हें चंद्रशेखर की सरकार में केंद्री संसदीय कार्य राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी मिली थी। धनखड़ 2019 से लेकर 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका कार्यकाल सुर्खियों में

बना रहा। अक्सर ममता बनर्जी की सरकार के साथ राजभवन की टकराव की खबरें सामने आती थीं। इसके बाद धनखड़ को केंद्र की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने उपराष्ट्रपति बनाया। वह 2022-25 तक इस पद पर रहे। जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए हाल ही में उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इस सियासी घटना ने लोगों का ध्यान खींचा। इस्तीफा देने के बाद से धनखड़ न तो किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में और न ही किसी अन्य कार्यक्रम में दिखें हैं। अभी तक उनका कोई बयान भी सामने नहीं आया है।

### कहां हैं धनखड़?

पिछले महीने उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ अपने परिवार के साथ समय बिताने के साथ ही नियमित रूप से योगाभ्यास कर रहे हैं और टेबल टेनिस खेल रहे हैं। अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे, तब उन्होंने शौकिया टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था। धनखड़ की दिनचर्या से वाकिफ लोगों ने बताया कि वह नियमित रूप से योग अभ्यास करते हैं और उपराष्ट्रपति एनक्लेव में अपने शुभचिंतकों व स्टाफ सदस्यों के साथ टेबल टेनिस खेलते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति की दिनचर्या से अवगत एक व्यक्ति ने बताया, यहां तक कि यात्रा से लौटने के बाद भी वह अपने स्टाफ सदस्यों के साथ टेबल टेनिस खेलते थे। धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए नौ सितंबर को चुनाव होने हैं।

### 1991 में फ्रॉड से हराया गया

## सिद्धारमैया के बयान से वोट चोरी पर कांग्रेस उलटे घिरी, भाजपा को मौका

**बेंगलुरु, एजेंसी।** एक तरफ कांग्रेस यह आरोप लगाते हुए सड़कों पर उतरी है कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने ऐसा बयान दिया है, जिससे उनकी पार्टी पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार कहा कि 1991 के लोकसभा चुनाव में फ्रॉड के चलते हार का सामना करना पड़ा था। अब उनके इस बयान पर विवाद हो रहा है क्योंकि तब कांग्रेस की ही सरकार थी और सिद्धारमैया तब जनता दल सेक्युलर के कैंडिडेट थे। वह कोप्पल सीट से चुनाव में उतरे थे। लेकिन उन्हें बसवराज पाटिल के मुकाबले 11,200 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था, जो कांग्रेस के कैंडिडेट थे। बसवराज पाटिल को कुल 2.41 लाख वोट मिले थे, जबकि सिद्धारमैया को 2 लाख 30 हजार मत ही मिले थे। उस चुनाव के नतीजे के बाद सिद्धारमैया ने हाई कोर्ट में केस भी दाखिल किया था और आयोग की तरफ से 22,243 वोट खारिज करने पर सवाल उठाया था। उनका कहना था कि यदि इन वोटों को अवैध न घोषित किया जाता तो वह खुद बड़े अंतर से जीत हासिल करते। उनका यह भी कहना था कि बसवराज पाटिल की उम्मीदवारी ही अवैध थी क्योंकि उन्हें लोकसभा स्पीकर ने दलबदल के चलते अयोग्य घोषित किया था। उनका कहना था कि बसवराज पाटिल को हमेशा के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। ऐसे में वह फिर से चुनाव कैसे लड़ सकते हैं। उन्होंने कर्नाटक के पूर्व एडवोकेट जनरल रवि वर्मा कुमार के सम्मान समारोह में कहा, मैं रवि वर्मा से उस समय लीगल सलाह मांगी थी, जब मुझे कानूनी समस्याएं झेलनी पड़ी थीं।

## सरकारी नहीं है मंदिर का पैसा, केवल देवता का अधिकार, हाई कोर्ट का तमिलनाडु सरकार को झटका

**चेन्नई, एजेंसी।** मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को झटका दिया है। कोर्ट की तरफ से कहा गया कि भक्तों द्वारा मंदिर को दान किया गया धन केवल देवता का है। ऐसे में इसका इस्तेमाल केवल मंदिर के किसी काम के लिए या फिर धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। इस फैसले के साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा 2023 से 2025 के बीच जारी किए गए उन 5 आदेशों को भी रद्द कर दिया, जिनमें मंदिर के धन का उपयोग करके विवाह मंडपों का निर्माण करने को कहा गया था। मंदिर की संपत्ति और धन को सरकार द्वारा व्यावसायिक रूप से उपयोग करने के खिलाफ दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि सरकार के पास मंदिर के धन का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि सरकार ने जिन विवाह भवनों का निर्माण मंदिर के पैसे से करवाना चाहती है उसका कोई धार्मिक उद्देश्य नहीं है, क्योंकि इन्हें किराए पर दिया जा रहा है।

मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के न्यायमूर्ति एस.एम सुब्रहमण्यम और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की बेंच ने इस सप्ताह की शुरुआत में यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि तमिल नाडु सरकार मंदिर के संसाधनों का उपयोग केवल मंदिरों के रखरखाव और विकास तथा उससे जुड़ी धार्मिक गतिविधियों पर करने के लिए बाध्य है। इसका उपयोग व्यावसायिक रूप से नहीं किया जा सकता।

**हिंदू विवाह एक संस्कार, धार्मिक उद्देश्य नहीं: मद्रास हाईकोर्ट :** राज्य सरकार की तरफ से वकील वीरा कथिरावन ने तर्क दिया कि मंदिर के धन का उपयोग समाज के लिए ही किया जा रहा है। जिन भवनों का निर्माण किया गया है, उनमें धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत किए जाने वाले हिंदू विवाह को ही अनुमित दी जाएगी। राज्य ने अदालत को आगे बताया कि अभी तक कोई पैसा जारी नहीं किया गया है और सभी प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त की जाएगी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने राज्य के इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसने माना कि हिंदू विवाह को एक संस्कार माना जाता है, लेकिन हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत इसमें संविदात्मक तत्व भी शामिल हैं।

### संपत्ति पर देवता का अधिकार : हाई कोर्ट

कोर्ट ने कहा, भक्तों द्वारा मंदिर या देवता को दान की गई चल और अचल संपत्ति पर देवता का अधिकार होता है। ऐसे में इसका उपयोग केवल मंदिरों में उत्सव मनाने के लिए या मंदिर के रखरखाव के लिए या विकास के लिए इसका उपयोग किया जा सका है। मंदिर के पैसे को सार्वजनिक पैसा या सरकारी पैसा नहीं माना जा सकता। यह पैसा हिंदू धार्मिक लोगों द्वारा दिया जाता है, यह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों, प्रथाओं या विचारधाराओं के प्रति उनके भावनात्मक और आध्यात्मिक लगाव के कारण दिया गया है। अपने इस आदेश के साथ ही अदालत ने चेतावनी भी दी कि मंदिर के धन को स्पष्ट रूप से अनुमति प्राप्त उद्देश्यों के लिए ही खर्च किया जाना चाहिए। अनुमति का दायरा बढ़ाने का प्रयास किया जाता है तो फिर इस धन के दुरुपयोग और गबन का रास्ता खुल जाएगा। अदालत ने कहा कि इस तरह का दुरुपयोग मंदिर के संसाधनों का दुरुपयोग होगा और हिंदू श्रद्धालुओं के धार्मिक अधिकारों का भी उल्लंघन होगा, जो आस्था के साथ मंदिरों में दान करते हैं।

डीपीएल 2025:

# नीतीश राणा ने 42 गेंदों में ठोका शतक, लगाए 15 छक्के

➤ दिग्वेश राठी से आ गई मारपीट की नौबत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 एलिमिनेटर मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नीतीश राणा का बल्ला जमकर चला. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ उन्होंने केवल 42 गेंदों में शतक ठोककर अपनी टीम को इस लीग के क्वालिफायर-2 में पहुंचा दिया. इस दौरान उन्होंने 15 छक्के ठोक दिए. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलने वाले नीतीश राणा ने मैच के दौरान किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और उनकी जमकर पिटाई की. इसी बीच साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के स्पिनर दिग्वेश राठी ने उनकी लड़ाई भी हो गई. इस दौरान मारपीट की भी नौबत आ गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में पहले बल्लेबाज करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन बनाए. इसके जवाब में वेस्ट दिल्ली लायंस ने 17 गेंद शेष रहते सात विकेट से मुकाबला जीत लिया. वेस्ट दिल्ली के कप्तान नीतीश राणा ने केवल 42 गेंदों में शतक ठोककर इस मैच को बिल्कुल एकतरफा कर दिया. उन्होंने 55 गेंदों में 8 चौके और 15 छक्कों की मदद से नाबाद 134 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने साउथ दिल्ली के सभी गेंदबाजों की खूब पिटाई की. नीतीश ने दिग्वेश राठी के एक ओवर में लगातार 3 छक्के ठोक दिए. इस ओवर में दिग्वेश राठी ने 20 रन खर्च कर दिए. नीतीश राणा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज क्रिस यादव 22 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए. मयंक गोसाईं ने नाबाद 15 रन बनाए. साउथ दिल्ली की ओर से सुमित कुमार बेनीवाल ने दो विकेट हासिल किए. अमन भारती को एक विकेट मिला. इससे पहले साउथ दिल्ली के बल्लेबाजों ने शानदार बैटिंग की. वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने अच्छी शुरुआत की. सलामी बल्लेबाज अंकुर कौशिक (16) और अनमोल शर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई. इन दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 44 गेंदों पर 67 रन लिए. इसके बाद अंकुर कौशिक पवेलियन लौट गए. 76 के स्कोर पर टीम को दूसरा झटका कुंवर बिधूड़ी के रूप में लगा. वो केवल 6 रन ही बना पाए. इसके बाद अनमोल शर्मा भी आउट हो गए. अनमोल ने 39 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए. इसके बाद कप्तान तेजस्वी दहिया और सुमित माथुर ने तेजी से रन बनाने शुरू किए और टीम को बड़े स्कोर तक ले गए. तेजस्वी दहिया ने 33 गेंदों में 2 चौके और 6 छक्कों की मदद से 60 रनों की शानदार पारी खेली. सुमित माथुर ने 26 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 48 रन बनाए. इनकी शानदार बल्लेबाजी की मदद से साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन बनाए. वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से ऋतिक शौकिन ने दो विकेट हासिल किए. शुभम दुबे, शिवांक वशिष्ट और अनिरुद्ध चौधरी ने एक-एक विकेट लिया. वेस्ट दिल्ली लायंस की बैटिंग के दौरान नीतीश राणा और दिग्वेश राठी की लड़ाई हो गई.

### जब मैदान में भिड़ गए नीतीश राणा और दिग्वेश राठी

वेस्ट दिल्ली लायंस की पारी के दौरान कप्तान नीतीश राणा तेजी से रन बना रहे थे. उन्होंने साउथ दिल्ली के स्पिनर दिग्वेश राठी में तेजी से रन बनाए. इस दौरान उनके एक ओवर में लगातार 3 छक्के लगाए. इससे दिग्वेश राठी बौखला गए थे. इस दौरान दिग्वेश राठी गेंदबाजी करने के लिए आते हैं. नीतीश राणा स्ट्राइक पर थे. दिग्वेश ने गेंदबाजी के लिए चले, लेकिन वो गेंद को हाथ से नहीं छोड़ा. इस गेंद पर नीतीश स्विप शॉट लगाना चाहते थे. अगली गेंद पर जैसे ही दिग्वेश गेंदबाजी करने वाले थे, वैसे ही नीतीश पीछे हट गए. इसके बाद दोनों में बहस शुरू हो गई. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

### दिग्वेश ने लुटाए इतने रन

वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ दिग्वेश राठी ने खूब रन लुटाए. उन्होंने 2 ओवर में 39 रन दे दिए. इसके बाद उन्होंने गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला.

एशिया कप:

# एशिया कप 2025 के मैच की बदल गई टाइमिंग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2026 की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होगी और इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट इस बार टी20 प्रारूप में खेला जाएगा और इसके मैच की शुरुआत शाम 7.30 बजे होनी थी, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक अब मैच के समय में बदलाव किया जा सकता है।

**7.30 की जगह रात 8 बजे से शुरू हो सकता है मैच**

रिपोर्ट के मुताबिक एशिया कप 2025 के मैचों की शुरुआत अब शाम 7.30 बजे की जगह रात 8 बजे से किया जा सकता है। ऐसा फैसला यूएई में काफी गर्म कंडीशन को देखते हुए लिया गया है। अब तक जो शेड्यूल सामने आया है उसके मुताबिक सारे के सारे मैच शाम 7.30 बजे से खेले जाएंगे। वैसे मैच अब रात 8 बजे शुरू होगा इसको लेकर एशियन क्रिकेट काउंसिल की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और ये अभी सिर्फ रिपोर्ट है।

**19 मैचों का होगा आयोजन**

एशिया कप 2025 में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस बार लीग, सुपर 4 और फाइनल समेत कुल 19 मैच खेले जाएंगे। इस बार ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को रखा गया है जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका की टीमें हैं। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा।

**एशिया कप का ऐसा होगा फॉर्मेट**

इस बार प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर फोर के लिए क्वालीफाई करेंगी। फिर सुपर फोर में प्रत्येक टीम अन्य तीन टीमों से एक-एक बार भिड़ेगी। सुपर फोर चरण की दो टीमें फाइनल खेलेंगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान एशिया कप में तीन बार तक भिड़ सकते हैं। हालांकि उनका ग्रुप चरण का मुकाबला 14 सितंबर को होना है, लेकिन अगर वे दोनों सुपर फोर चरण के लिए एक साथ क्वालीफाई करते हैं, तो वे 22 सितंबर को एक बार फिर भिड़ सकते हैं।

### एशिया कप 2025 का पूरा कार्यक्रम (ग्रुप स्टेज)

9 सितंबर (मंगलवार)- अफगानिस्तान बनाम हांगकांग
10 सितंबर (बुधवार)- भारत बनाम यूएई
11 सितंबर (गुरुवार)- बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर (शुक्रवार)- पाकिस्तान बनाम ओमान
13 सितंबर (शनिवार) -बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर (रविवार)- भारत बनाम पाकिस्तान
15 सितंबर (सोमवार)- श्रीलंका बनाम हांगकांग
16 सितंबर (मंगलवार)- बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान
17 सितंबर (बुधवार)- पाकिस्तान बनाम यूएई
18 सितंबर (गुरुवार) -श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान
19 सितंबर (शुक्रवार)- भारत बनाम ओमान

### सुपर 4 के मुकाबले का शेड्यूल

20 सितंबर (शनिवार)- ग्रुप बी क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 2, 21 सितंबर (रविवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप ए क्वालिफायर 2, 22 सितंबर (सोमवार)- कोई मैच नहीं होगा. 23 सितंबर (मंगलवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 2

24 सितंबर (बुधवार)- ग्रुप बी क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप ए क्वालिफायर 2. 25 सितंबर (गुरुवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 2 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 2. 26 सितंबर (शुक्रवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 1. 27 सितंबर (शनिवार)- कोई मैच नहीं होगा

**फाइनल मैच का शेड्यूल:** 28 सितंबर (रविवार)- फाइनल मैच

# बात संजू सैमसन के ट्रेड की हो रही थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स से विदा हो गए राहुल द्रविड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की राहें जुदा हो गई हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर शनिवार (30 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। उसने यह भी बताया कि मुख्य कोच के बजाय उन्हें कोई और पद संभालने की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। राहुल द्रविड़ बीते साल भारतीय टीम के मुख्य कोच के पद से हटने के बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से वापस जुड़े थे। द्रविड़ की 1 सीजन बाद ही मुख्य कोच के पद से ऐसे समय छुट्टी हुई है जब फ्रेंचाइजी और कप्तान संजू सैमसन के बीच सबकुछ ठीक न होने की बातें चल रही थीं। ऐसी खबरें आई थीं कि संजू ने राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड या रिलीज करने को कह दिया था। राहुल द्रविड़ के पद से हटने की जानकारी देते हुए फ्रेंचाइजी ने कहा, राजस्थान रॉयल्स ने आज घोषणा करती है कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी के साथ कार्यकाल समाप्त होगा। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफर के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मजबूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

**द्रविड़ ने बड़े पद की पेशकश को ठुकराया**

राजस्थान रॉयल्स ने कहा, फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक बदलाव के तहत राहुल को फ्रेंचाइजी में एक बड़े पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और दुनियाभर के लाखों प्रशंसक फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

**आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब**

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब रहा। वह 14 में 4 मैच जीतकर 9 स्थान पर रही। संजू सैमसन चोट के कारण कई मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेले। हालांकि, फ्रेंचाइजी के वैभव सूर्यवंशी जैसा होनहार खिलाड़ी मिला।

बीडब्ल्यूवर्ल्ड चैम्पियनशिप 2025

# सात्विक-चिराग की जोड़ी ने रचा इतिहास

➤ पीवी सिंधू मेडल से चूकीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेरिस में खेली जा रही वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत का एक मेडल पक्का हो गया है. भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए इस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है.

साल 2022 के बाद इस जोड़ी ने दूसरी बार इस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है. अब ये जोड़ी इस चैंपियनशिप में अपने मेडल के कलर को बदलना चाहेगी. उधर, भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मेडल से चूक गईं. उन्हें क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है. पीवी सिंधू वर्ल्ड चैंपियनशिप में अब तक 5 मेडल जीत चुकी हैं. भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया. पुरुष के डबल्स मुकाबले में इस जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली. इसके साथ ही उन्होंने मलेशियाई जोड़ी से पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल और साल 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में मिले हार का बदला भी ले लिया है.

इससे पहले सात्विक और चिराग ने साल 2022 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. जहां उन्हें सेमीफाइनल में

आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली. इसके साथ ही उन्होंने मलेशियाई जोड़ी से पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल और साल 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में मिले हार का बदला भी ले लिया है.

इससे पहले सात्विक और चिराग ने साल 2022 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. जहां उन्हें सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक से हार का सामना करना पड़ा था. इसकी वजह से इस जोड़ी को ब्रांज मेडल से ही संतोष करना पड़ा था, लेकिन इस बार दोनों खिलाड़ी अपने मेडल के कलर को हर हाल में बदलना चाहेंगे. उधर, भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को क्वार्टरफाइन में हार का सामना करना पड़ा.

### पीवी सिंधु का सफर हुआ खत्म

पीवी सिंधु का छठा वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में छठा पदक जीतने का सपना क्वार्टरफाइनल में टूट गया. क्वार्टरफाइनल में सिंधु को इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. राउंड ऑफ-16 में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चाइना की वांग जी यी को केवल 48 मिनट में 21-19, 13-21, 21-15 से हराकर चौंकाने के बाद, सिंधु ने वर्दानी के सामने पहला गेम 14-21 से गंवा दिया, लेकिन दूसरे गेम में 21-13 से दबदबा बनाकर मैच बराबरी पर ला दिया. निर्णायक गेम में पुत्री कुसुमा वर्दानी ने नियंत्रण हासिल कर लिया, जिससे सिंधु की हार तय हो गई और जोरदार वापसी के बावजूद भारतीय स्टार पदक की दौड़ से बाहर हो गईं. पीवी सिंधु को इस मुकाबले में 14-21, 21-13, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा.

# Duleep Trophy: भारत के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान ने जड़ा ताबड़तोड़ शतक, फर्स्ट क्लास करियर की 8वीं सेंचुरी ठोकी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दलीप ट्रॉफी के पहले क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन शनिवार (30 अगस्त) को ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की दूसरी पारी में भारत के अंडर-19 वर्ल्ड कप चैंपियन कप्तान यश ढुल ने बेहतरीन शतक जड़ा। दिल्ली के इस खिलाड़ी ने 112 गेंदों पर ताबड़तोड़ शतक जड़ा। 22 साल के ढुल ने 31वें मैच में फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक जड़ा। 90 रन के बाद ढुल ठोड़े दबाव में दिखे। कई बार वह शॉट लगाने की कोशिश में बचे। ऐसा खासकर मोहम्मद शमी के खिलाफ हुआ। अच्छी बात यह रही कि वह आउट नहीं हुए। ढुल और कप्तान अंकित कुमार 150 रनों से ज्यादा की साझेदारी करके क्रीज पर डटे हुए हैं।

नॉर्थ जोन के पास लगभग 400 की बढ़त है। ढुल ने 1 रन लेकर शतक पूरा किया। इस दौरान अपनी पारी के दौरान 11 चौके और दो छक्के लगाए हैं और 48 रन जीवनदान मिलने के अलावा उन्होंने शायद ही कोई गलती की हो। ढुल ने पहली पारी में 39 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन की पहली पारी में 405 रन के जवाब में ईस्ट जोन 230 रन पर आउट हो गई।

# रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन, कहा- उनके पास काफी अनुभव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना ??है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है।

रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों

को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा। रैना ने कहा, रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।

रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

# भारत के इस खूंखार गेंदबाज ने जब 6 गेंदों पर चटका दिए 6 विकेट...

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेट ऐसा रोमांचक खेल है जहां हर गेंद पर तस्वीर बदल सकती है, वहीं कभी-कभी ऐसा भी हो जाता है जिसे सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाए। ऐसा ही एक चमत्कार हुआ था साल 2021 में, जब युवा गेंदबाज़ हर्षित सेठ ने क्रिकेट की परंपराओं को चौंकाते हुए लगातार 6 गेंदों पर 6 विकेट चटका दिए।

**कौन है ये करिश्माई गेंदबाज़?**

यह कमाल किसी दिग्गज इंटरनेशनल खिलाड़ी ने नहीं, बल्कि भारतीय मूल के 20 वर्षीय स्पिनर हर्षित सेठ ने अंजाम दिया, जो संयुक्त अरब अमीरात के लिए खेलते हैं। बाएं हाथ के इस फिरकी गेंदबाज़ ने कारवां अंडर-19 ग्लोबल टी20 लीग में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल की थी।

**क्या हुआ था उस मैच में?**

मैच खेला गया था श्र के अजमान शहर में, जहां हर्षित की टीम DCC Starlets ने पहले

बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 137/6 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम हैदराबाद हॉक्स ने शानदार शुरुआत की थी और स्कोरबोर्ड पर 12/0 था। लेकिन तभी आए हर्षित सेठ -- और तूफान बन गए। उन्होंने अपने पहले ओवर की आखिरी 4 गेंदों पर 4 विकेट लिए, और फिर अगले ओवर की पहली दो गेंदों पर दो विकेट झटक कर कर दी डबल हैट्रिक पूरी। कुछ ही मिनटों में स्कोर 12/0 से 16/9 हो गया।

### प्रदर्शन जिसने हिला दिया सबको

हर्षित का फाइनल बॉलिंग फिगर था
4 ओवर, 2 मेडन, 4 रन, 8 विकेट
उनकी घातक गेंदबाज़ी के आगे विपक्षी टीम सिर्फ 44 रन पर ढेर हो गई और उनकी टीम ने मुकाबला 93 रन से जीत लिया।
कौन हैं हर्षित सेठ?
जन्म- 5 अगस्त 2005
मूल- भारतीय, लेकिन क्रिकेट में प्रतिनिधित्व संयुक्त अरब अमीरात का
प्रारंभिक उपलब्धि- 14 साल की उम्र में UAE अंडर-16 टीम में चयन
आखिरी अंडर-19 इंटरनेशनल मैच- 13 दिसंबर 2023, जापान के खिलाफ (2 विकेट)

### क्यों खास है यह रिकॉर्ड?

क्रिकेट के इतिहास में लगातार 6 गेंदों पर 6 विकेट लेना लगभग नामुमकिन माना जाता है। न टेस्ट क्रिकेट में, न वनडे में और न ही टी20 में इस तरह की निरंतरता पहले किसी गेंदबाज़ ने दिखाई थी। यह उपलब्धि न केवल क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच का विषय है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती है कि असंभव शब्द सिर्फ एक सोच है।

## संक्षिप्त समाचार

### पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत मालाकार के 11 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण संपन्न

**विदिशा (निप्र)।** पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत शासकीय आईटीआई विदिशा में मालाकार के 11 उम्मीदवारों का प्रशिक्षण आज गुरुवार को संपन्न हुआ जिसमें जिला उद्योग केंद्र से प्रतिनिधि श्रीमती संचयी मानके द्वारा असेसमेंट किया गया है। योजना की जानकारी देते प्रशिक्षण प्रभारी श्री दीपक आचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य श्री आलोक रावत एवं स्किल नोडल श्री अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि शासकीय आईटीआई विदिशा में सभी 18 जाबरोल के विश्वकर्माओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। योजना के लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में प्रशिक्षण भत्ता यात्रा भत्ता एवं लोन की राशि प्रदान की जाएगी।

### प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव ने लिये सुझाव

**सीहोर (निप्र)।** मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने श्यामपुर एवं सीहोर तहसील में बैठक ली। इस बैठक में एसडीएम श्री तन्मय वर्मा तहसीलदार श्री श्याम चन्देले, श्री अमित सिंह, श्री भरत नायक, तथा तहसील मे पदस्थ आरआई, पटवारी, पंचायत सचिव, लिपिक, कोटवार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में सचिव श्री सिंह ने प्रशासनिक सुधारों के संबंध मे चर्चा करते हुए सभी से सुझाव लिये।

### मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

**सीहोर (निप्र)।** स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष ऋतु के दौरान मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी अनुसार कपकपी के साथ तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी होना, बेचैनी, कमजोरी, सुस्ती, मितली, ठंड, तपन महसूस होना आदि मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया से बचाव के मच्छरदानी का उपयोग करें औरखिड़कियों एवं दरवाजों पर जाली लगायें। हल्के रंग के कपड़े पहनें एंव हाथ पैरों को पूरा ढ़कें। हर सप्ताह कूलर, टंकी और बैरल के पानी को बदलें। आस पास पानी को जमा न होने दें। इसके साथ ही तेज बुखार, उल्टी तथा शरीर में दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू फैलाने वाला मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है। कूलर, टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रीज की ट्रे, फूलदान, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायर इत्यादिमेंको ढक कर रखें तथा अधिक दिनों तक यहां पानी जमा न रहने दें। यह मच्छर दिन के समय काटता है। कपड़ों से बदन को पूरी तरह ढ़ककर रखें। इस प्रकार लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।

### जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

**नर्मदापुरम (निप्र)।** गुरुवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दीनदयाल रसोई योजना अंतर्गत नर्मदापुरम एवं पिपरिया नगरीय निकाय की दीनदयाल रसोई संचालन के लिए प्राप्त ऑनलाइन निविदाओं का शासन से प्राप्त निर्देशानुसार मूल्यांकन बिंदुओं के आधार पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान नर्मदापुरम एवं पिपरिया दोनों नगरीय निकायों के लिए चयनित संस्थाओं का मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पिपरिया नगरीय निकाय के लिए चयनित संस्था के दस्तावेजों का पुनः अवलोकन कर स्कोर शीट पर आवश्यक रिवर्क किया जाए। इस अवसर पर नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, सिटी मजिस्ट्रेट एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास प्राधिकरण श्री बृजेंद्र रावत, सीएमओ नगर पालिका नर्मदापुरम श्रीमती हेमेश्वरी पटले, सीएमओ पिपरिया श्री राम नाइक, सब्जी मंडी एसोसिएशन अध्यक्ष श्री अमीन राइन सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उक्त संबंध में कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

### कमिश्नर ने स्थाई बस परमिट एवं बस परमिट रिनुअल के प्रकरण की सुनवाई की

**नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने गुरुवार को जिला परिवहन कार्यालय में स्थाई बस परमिट, बस परमिट रिनुअल एवं नवीन बस संचालन के आवेदनों पर सुनवाई की। कमिश्नर श्री तिवारी ने बस परमिट के 194 एवं बस परमिट रिन्यूअल के 36 केस पर सुनवाई की। उन्होंने एक-एक केस पर बारीकी से सुनवाई की, साथ ही बस संचालन के नवीन आवेदनों की भी बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रिंकू शर्मा उपस्थित रही।

# एसडीएम देखें-किसानों को सहूलियत से खाद मिले: कलेक्टर सिद्धार्थ जैन

■ मुख्य मार्गों पर निराश्रित गौवंश विचरण न करे ■ अपात्र हितग्राहियों के नाम राशन सूची से काटे जाएं

■ राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश

**हरदा (निप्र)।** कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने जिले के सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे किसानों को उर्वरक वितरण व्यवस्था पर पैनी निगरानी रखें एवं यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी उर्वरक वितरण में किसानों को असुविधा का सामना न करना पड़े। गुरूवार को आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले के प्रत्येक नगर एवं गांव में राशन प्राप्त कर रहे अपात्र हितग्राहियों को चिन्हित किया जाए एवं उनके नाम राशन सूची से हटाये जाएं। कोई भी अपात्र हितग्राही राशन प्राप्त न कर सके, इसकी सख्त व्यवस्था हो। कलेक्टर ने अवैध कॉलोनियों के मामले को भी गंभीरता से लेते हुए कहा कि राजस्व अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिले में कहीं भी अवैध कॉलोनियां न पनपें। जो भी कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं, वे विधिवत अनुमति लेकर तैयार की जाएं ताकि ऐसी कॉलोनी के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा सहित जिले के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में होने वाले अतिक्रमण की रोकथाम के लिये भी राजस्व अधिकारियों से सख्ती दिखाने की अपेक्षा की। उन्होने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में अब कोई नये अतिक्रमण न हों, इस बात पर निरन्तर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होने नगरीय क्षेत्रों में एवं मुख्य मार्गों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय स्थलों तक पहुँचाने के लिये भी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री एवं आरसीएमएस में दर्ज राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती के मामले समय सीमा में निराकृत करने के राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन करने के कार्य की भी कलेक्टर ने जानकारी ली। उन्होने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्यानिकी फसलों से संबंधित गिरदावरी के कार्य में उद्यान विभाग एवं राजस्व विभाग के आंकड़ों में एकरूपता हो, यह सुनिश्चित किया जाए। श्री अन्न की फसलों की गिरदावरी में भी इस बात का ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने हिट एण्ड रन के मामलों में भी तत्परता से निराकरण करने की अधिकारियों से अपेक्षा की। उन्होने अधिकारियों से कहा कि राजस्व वसूली के कार्य में भी गति लाई जाए। बैठक में जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की स्थिति की भी कलेक्टर ने समीक्षा की।

### आबकारी विभाग बरेली ने अवैध रूप से परिवहन हो रही 06 पेटी देशी मसाला मदिरा और मोटर सायकिल जप्त की

**रायसेन (निप्र)।** सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शहनाज कुरेशी के नेतृत्व मे अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वृत्त बरेली के आबकारी उपनिरीक्षक राजेश विश्वकर्मा द्वारा आबकारी बल के सहयोग से दिनांक 28.08.2025 को प्राप्त सूचना के आधार पर खरगोन से बरेली की ओर आने वाले मार्ग पर ग्राम भोंडिया नहर के पास नाकेबंदी की जाकर बिना नम्बर की एक हीरो सी.डी. डीलक्स मोटरसायकिल पर दो झोलों में रखी हुई 06 पेटियों में रखे 300 पाव देशी मसाला मदिरा के अवैध रूप से परिवहन करते हुए उक्त मोटर सायकिल को मय मदिरा के जप्त किया गया। आबकारी स्टाफ को नाके बंदी करते हुए देख आरोपी मोटर सायकिल को मय मदिरा के घटना स्थल पर पटककर मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था जिसकी गिरफ्तारी शेष है। आरोपी की मौके पर पहचान नहीं होने से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 संशो. 2000 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना मे लिया गया। साथ ही ग्राम छवारा में दविश देकर आरोपी रमेश रघुवंशी को 20 पाव देशी प्लेन मदिरा के साथ गिरफ्तार किया तथा ग्राम गुरारिया में दविश देकर आरोपी मथुरा प्रसाद को 18 पाव मसाला मदिरा के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34-1(क) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया।

### जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक संपन्न

# जाति प्रमाण पत्र के अभाव में कोई भी प्रकरण लंबित न रहे : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

**नर्मदापुरम (निप्र)।** अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यगण सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सदस्य सचिव द्वारा निर्धारित एजेण्डा अनुसार बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत की गई। समिति ने अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों के अन्वेषण की स्थिति, न्यायालयों में लंबित मामलों के अभियोजन की प्रगति तथा अत्याचार पीड़ितों को राहत सुविधा, यात्रा भत्ता एवं अन्य सहायता की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में शासन नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जाति प्रमाण पत्र के अभाव में कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

इसके लिए विकासखण्ड स्तरीय समिति एवं संबंधित थानों के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रत्येक त्रैमासिक उपखंड स्तरीय समिति की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए, जिससे प्रकरणों की नियमित समीक्षा हो सके और पीड़ितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, मुकेश चंद्र मैना सहित जिला स्तरीय समिति के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यगण उपस्थित रहे।

### वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

**बैतूल (निप्र)।** वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार में आयोजित की गई। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. डीपी शर्मा ने केन्द्र पर संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की एवं जिले के ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन दिया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टीआर शर्मा द्वारा केन्द्र पर संचालित प्रक्षेत्रीय परीक्षण में तकनीकी रूप से सुधार के सुझाव दिए एवं केन्द्र पर पदस्थ वैज्ञानिकों से इस केन्द्र की प्रगति को और ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। इस दौरान केन्द्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक श्री आरडी बारपेटे ने केन्द्र का प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी कार्य योजना का विस्तृत ब्यौरा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। उक्त बैठक में ज.ने.कृ.वि.वि. संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. डीपी शर्मा, एवं प्रधान वैज्ञानिक जबलपुर डॉ.टीआर शर्मा, केन्द्र प्रमुख डॉ. व्हीके वर्मा, वैज्ञानिक डॉ.एसके तिवारी, श्री आरडी बारपेटे सहित विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक, बैतूल जिले के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, नाबार्ड, इफको, बीज निगम, बायफ आदि विभागों के विभाग प्रमुख प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक सहित 43 सदस्य उपस्थित थे।

## विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

**हरदा (निप्र)।** म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में गुरूवार को पिनेकल ऐकेडमी, हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि बाल अधिकार जागरूकता अभियान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल यौन शोषण,बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए है।

### नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल

उन्होने बताया कि नालसा ''डॉन स्कीम'' राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूध्द जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। उन्होने नालसा योजना के उपबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत ड्रग्स तस्करी एवं ड्रग्स पीड़ितों को जिला प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक विधिक सेवा उपलब्ध करायी जाती है। योजना के तहत ड्रग्स पीड़ितों को पहचानने, उनका उपचार करने तथा नशा मुक्ति के बाद उनके पुनर्वास में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को गतिमान कराया जाता है। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने बच्चों को मौलिक अधिकार और कर्तव्यों के बारे में बताया कि मौलिक अधिकार, जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक हैं। वहीं, मौलिक कर्तव्य जैसे संविधान का पालन करना, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना, देश की रक्षा करना, नागरिकों के सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व हैं। जवाबदेही और मानवाधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होने मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के तहत पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दुबे ने बताया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से या नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अथवा 15100 पर कॉल कर विधिक सहायता सलाह आसानी से प्राप्त कर सकता है।

# जीवन और प्रकृति की निरंतरता के आधार हैं वृक्ष : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

**एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने बच्चों के साथ किया पौधारोपण**

### कलेक्टर के साथ पौधारोपण कर बच्चे हुए प्रफुल्लित

**नर्मदापुरम (निप्र)।** एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आज कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कलेक्टर निवास परिसर में द चैंप्स फन स्कूल नर्मदापुरम की प्राथमिक शाला के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी बच्चों से आत्मीय परिचय प्राप्त किया और उन्हें पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। पोधारोपण करते समय बच्चों ने एक गीत की सुमधुर प्रस्तुती भी दी। कलेक्टर ने बच्चों के साथ मिलकर नीम, तुलसी, गुडबेल, पीपल सहित कई औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से उपयोगी पौधों का रोपण किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि औषधीय पौधे न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं बल्कि यह वातावरण को भी शुद्ध करते हैं। पौधों से प्राप्त ऑक्सीजन मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है और यह प्राकृतिक जीवन चक्र को संतुलित बनाए रखने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। ये वातावरण से हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। साथ ही किसी भी क्षेत्र में वर्षा चक्र के संचालन और भूमिगत जल स्तर बनाए रखने में भी पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि हम सभी को वृक्षारोपण करते रहना चाहिए साथ ही उनकी देखभाल करना भी हमारा कर्तव्य है। कलेक्टर के साथ पौधारोपण कर बच्चे भी प्रफुल्लित हुए और सभी ने खुलकर उनसे खूब संवाद किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बताया कि वृक्षारोपण केवल एक पर्यावरणीय कार्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी उपहार है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

# दस्तक अभियान के तहत चिन्हित सभी कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराएं

**अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों को दिये निर्देश**

**हरदा (निप्र)।** दस्तक अभियान के तहत चिन्हित कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. में भर्ती कराया जाए। सभी गर्भवती महिलाओं का प्रथम त्रैमास में ही शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें। सभी हाई रिस्क महिलाओं की पहचान कर उनका नियमित प्रबन्धन करें तथा नियमित रूप से फालोअप भी लें। यह निर्देश जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रवीण इवने ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, डीएचओ डॉ. सुनिल द्विवेदी, प्रमुख खण्ड चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी, ए.एन.एम., सीएचओ उपस्थित थे।

### गर्भवती महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए

बैठक में श्री इवने ने निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं व बच्चों का शतप्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। शिशु मृत्यु के कारणों की पहचान अनिवार्य रूप से की जाए ताकि शिशु मृत्यु के कारणों का निराकरण किया जा सके। टेलीकंसल्टेंसी के लिये सभी चिकित्सकों की आईडी तैयार की जाए ताकि नागरिकों को टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से सही चिकित्सकीय सलाह व उपचार मिल सके। उन्होने बैठक में दस्तक अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी अधिकारियों से ली। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने दस्तक पोर्टल पर एन्ट्री न करने पर खिरकिया के बीपीएम को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। उन्होने एसएनसीयू में भर्ती बच्चों का आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से कम्यूनिटी फालोअप शतप्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिये।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048